भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 39 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 अगस्त 2025 सोमवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

वोट धांधली: इंडिया ब्लॉक का जोरदार मार्च, शाम को डिनर डिप्लोमेसी

वोटर लिस्ट पर रार: चुनाव आयोग की ओर बढ़े विपक्ष के सांसद हिरासत में

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनावों में कथित धांधली के आरोपों में घेरने की तैयारी तेज कर दी है। आज संसद से चुनाव आयोग के मुख्यालय तक विरोध मार्च निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया गया। यह मार्च राहुल गांधी के नेतृत्व में हुआ है। बाद में प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसदों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस के अधिकारी राहुल गांधी, प्रियंका, डिंपल समेत कई नेताओं को बस में बैठाकर ले गए। विपक्षी नेता एक किलोमीटर लंबे इस विरोध मार्च के बाद चुनाव आयोग से चर्चा की कोशिश में थे। उन्होंने मिलने के लिए समय भी मांगा। इसके पहले उधर संसद में भी आज विपक्ष के तेवर कड़े नजर आए। मानसून सत्र के 16वें दिन लोकसभा में प्रश्न काल की शुरुआत के साथ ही विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। सांसद सदन में नारेबाजी करते हुए वेल के पास पहुंच गए। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

इसके बाद विपक्ष ने संसद के मकर द्वार से चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकालने के लिये जुटना शुरू कर दिया। हालांकि दिल्ली पुलिस ने कहा कि इंडिया ब्लॉक ने मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी है। वहीं मार्च के बाद आज विपक्ष को इस मुद्दे पर एकजुट करने के लिए रात को खड़गे ने गठबंधन के सभी सांसदों को ताज पैलेस होटल में डिनर पार्टी आयोजित की है। ज्ञात हो कि राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक सीट पर लोकसभा चुनाव में वोट चोरी का आरोप लगाया है। यह भी आरोप है कि बिहार में पुनरीक्षण के दौरान 65 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने की जानकारी चुनाव आयोग साझा नहीं कर रहा है।

सवाल गंभीर, जवाब भी जरूरी: थरूर

इस मार्च में शामिल कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा- मेरे लिए यह मुद्दा बहुत सीधा है। राहुल गांधी ने कुछ गंभीर सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब मिलना चाहिए। चुनाव आयोग की न सिर्फ देश के प्रति जिम्मेदारी है, बल्कि उसकी अपनी भी जिम्मेदारी है कि जनता के मन में हमारे चुनावों की विश्वसनीयता को लेकर कोई संदेह न रहे।चुनाव पूरे देश के लिए मायने रखते हैं। हमारा लोकतंत्र इतना अनमोल है कि इसे इस संदेह से खतरे में नहीं डाला जा सकता कि कहीं डुप्लीकेट वोटिंग तो नहीं, कहीं कई पते तो नहीं, या कहीं फर्जी वोट तो नहीं। अगर लोगों के मन में कोई संदेह है, तो उसका समाधान किया जाना चाहिए।

बैरिकैडिंग फांदी अखिलेश ने

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और 2024 के चुनावों में कथित मतदाता धोखाधड़ी के विरोध में इंडिया ब्लॉक के मार्च में ढाई सौ से ज्यादा सांसद मौजूद रहे। विपक्षी सांसदों के चुनाव आयोग की तरफ बढ़ने के दौरान पुलिस ने रास्ता रोकने के लिये बैरिकैडिंग लगाए। इस दौरान समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव बैरिकेड के ऊपर से कूद गए। वहीं, प्रियंका गांधी ने ताली बजाकर विपक्षी सांसदों का उत्साह बढ़ाया। जब विपक्षी सांसदों के आगे बढ़ने पर पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो बहस भी हुई। कई विपक्षी सांसद बैरिकेड के ऊपर चढ़ गए। बाद में पुलिस ने ट्रांसपोर्ट भवन के पास विपक्षी सांसदों के मार्च को रोक दिया।

साबित करने की चुनौती

कर्नाटक में डबल वोटिंग का दावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए परीक्षा की तरह बन रहा है। उन्होंने डॉक्यूमेंट दिखाते हुए दावा किया था कि यह चुनाव आयोग का रिकॉर्ड है कि शगुनरानी नामक महिला के पास दो-दो वोटर आईडी हैं। इसमें पोलिंग बूथ ऑफिसर का टिक मार्क साबित करता है कि उसने दो बार वोट किया। जबकि कर्नाटक के चीफ इलेक्शन कमिश्नर ने राहुल को नोटिस जारी किया हुआ है तथा सबूत मांगे हैं। उसने कहा है कि शगुनरानी ने दो वार वोट नहीं किया है। लिहाजा सवाल यह है कि राहुल का दावा गलत पाया गया तो धारा 337 के तहत कार्रवाई हो सकती है। इसमें यदि कोई व्यक्ति सरकारी दस्तावेज या कोर्ट रिकॉर्ड की जालसाजी करता है तो उस पर यह लगाई जा सकती है। दोषी पाए जाने पर सात साल तक की सजा व जुर्माना है।

एयरलाइन ने किया इंकार, वेणुगोपाल ने कहा-झूठ

एयर इंडिया की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान सामने आ गया दूसरा विमान!

नईदिल्ली, एजेंसी

तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट की बीती देर रात चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है। एयरलाइंस की ओर से इसकी वजह तकनीकी गड़बड़ी और खराब मौसम बताया गया है। जबकि विमान में मौजूद कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने X पर लिखा- चेन्नई में जब इमरजेंसी लैंडिंग की पहली कोशिश हुई तो सामने दूसरा विमान खड़ा था। पायलट प्लेन को दोबारा हवा में ले गया और दूसरी कोशिश में सुरक्षित लैंडिंग हो सकी। विमान में कई सांसद और कई अन्य यात्री सवार थे। फ्लाइट हादसे के बिल्कुल करीब पहुंच गई थी। एक बड़ा हादसा टला है।

हालांकि, वेणुगोपाल के दावे के विपरीत एअर इंडिया ने दूसरा विमान सामने आने की बात से इनकार किया है। एयर ट्रैफिक ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट रडार के अनुसार फ्लाइट ने 8.17 उड़ान भरी थी और इसे 10.45 बजे दिल्ली पहुंचना था। एअर इंडिया ने कहा है कि चेन्नई की ओर फ्लाइट डायवर्ट करने का फैसला सावधानी के तौर पर लिया गया था, क्योंकि विमान में तकनीकी समस्या और खराब मौसम की स्थिति थी। चेन्नई एयरपोर्ट पर पहली लैंडिंग की कोशिश के दौरान चेन्नई एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने गो-अराउंड का निर्देश दिया था मगर यह किसी दूसरे विमान के रनवे पर होने की वजह से नहीं था।

दो घंटे आसमान में चक्कर काटे

वेणुगोपाल ने आज कहा कि पायलट ने खुद अनाउंसमेंट करके कहा था कि रनवे पर दूसरा प्लेन है। अब एयरलाइन झूठ बोल रही है। मैंने डीजीसीए से भी बात की है। हमें उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही तेज झटके (टर्बुलेंस) लगे। एक घंटे बाद कैप्टन ने बताया कि फ्लाइट में सिग्नल की खराबी है और इसे चेन्नई डायवर्ट किया जा रहा है। करीब दो घंटे तक हम चेन्नई एयरपोर्ट के ऊपर चक्कर लगाते रहे।

लोनिवि को प्रशिक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज लोक निर्माण विभाग के ध्येय लोक निर्माण से लोक कल्याण को साकार करने की दिशा में 'पर्यावरण से समन्वय' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी-सह प्रशिक्षण कार्यशाला का रविंद्र भवन में शुभारंभ किया।

दिल्ली में सांसदों के लिए 184 नए फ्लैट

नईदिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली में बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए तैयार टाइप-सात के 184 बहुमंजिला फ्लैटों का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम आवासीय परिसर में सिंदूर का पौधा भी लगाया। इस दौरान पीएम मोदी फ्लैट बनाने वाले श्रमजीवियों से बातचीत की और लोगों को संबोधित किया। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, किरेन रिजिजू भी मौजूद रहे। मोदी ने कहा कि इन 4 टॉवर्स के नाम भी बहुत सुंदर हैं- कृष्णा, गोदावरी, कोसी, हुगली, भारत की चार महान नदियां, जो करोड़ों लोगों को जीवन देती हैं। अब उनकी प्रेरणा से हमारे जन प्रतिनिधियों के जीवन में भी आनंद की नई धारा बहेगी।

कई राज्यों में मानसून के कड़े तेवर: बंगाल की खाड़ी में बन रहा स्ट्रांग सिस्टम

बिहार में बाढ़ से 10 लाख लोग प्रभावित, पहाड़ों पर बरसी आफत, पूर्वी मप्र में बारिश

नईदिल्ली/भोपाल, एजेंसी

उत्तर प्रदेश-बिहार में तेज बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन चुके हैं। बिहार के 7 जिले में स्थितियां लगातार बिगड़ रही हैं इसमें 10 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत बिहार की 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। राजधानी पटना जिले की ही 24 पंचायतें भी बाढ़ से घिरी हैं। उधर उप्र में भी लगातार बारिश से नदियां-नाले उफान पर हैं। मुरादाबाद में रामगंगा उफान पर है। एक बाइक सवार इसमें बह गया और फिर 22 घंटे तक एक पेड़ पर बैठा रहा।

मध्यप्रदेश में बीते कुछ दिनों से बारिश बंद थी। पिछले दो दिन से मौसम में बदलाव हुआ है। बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया एक्टिव होने वाला है। इससे फिर तेज बारिश का दौर शुरू होगा। आज जबलपुर,रीवा व सागर संभाग में जोरदार बारिश का अलर्ट है।

बीस का किया रेस्क्यू

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में 20 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू करके मातली हेलीपैड लाया गया। धराली और हर्षिल में लोगों को भोजन-पानी पहुंचाया जा रहा है। मलबे में गुम लोगों को तलाशा जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में बारिश व लैंडस्लाइड के बाद कई रास्ते बंद है।

इजरायल के हवाई हमले में पांच पत्रकारों की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी

गाजा में इजरायल की तरफ से लगातार हवाई हमलों की चपेट में गाजा शहर में पत्रकारों द्वारा उपयोग किया जा रहा एक तंबू भी चपेट में आ गया। इस इजरायली हमले में कतर के मीडिया चैनल अल जजीरा अरबी के रिपोर्टर अनस अल-शरीफ की जान चली गई। यह कैंप अस्पताल के करीब था। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर बमबारी का वीडियो शेयर किया था। उनके आखिरी पोस्ट में लिखा था, लगातार बमबारी हो रही है, दो घंटे से गाजा शहर पर इजरायली आक्रमण तेज है। अल-शिफा अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि अस्पताल के बाहर एक तंबू को निशाना बनाकर किए गए इस हमले में कुल सात लोगों की मौत हो गई। वहीं इज़राइली सेना ने एक बयान जारी करते हुए अल-शरीफ पर हमास सेल का नेतृत्व करने का आरोप लगाया है।

मेट्रो एंकर

कश्मीर मामले को बताया पाकिस्तान के गले की नस

हम अगर डूबे तो... दूसरी बार पाकिस्तान की गोद में मुनीर

नईदिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के आर्मी प्रमुख असीम मुनीर ने एक बार फिर कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया है। अमेरिका के दौरे पर पहुंचे मुल्ला मुनीर ने कहा कि कश्मीर, भारत का आंतरिक मसला नहीं है बल्कि एक अधूरा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर का मामला संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव में मौजूद है और पाकिस्तान उसका समर्थन करता है। मुनीर की बीते डेढ़ महीने में यह दूसरी अमेरिका यात्रा है। उन्होंने फ्लोरिडा के टैंपा शहर में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान सिंधु जल समझौते पर धमकी देते हुए कहा कि अगर हम डूबेंगे तो आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे।

इस पूरे मामले पर अब यह भी सवाल है कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शह पर पाकिस्तान ऐसे बयान दे रहा है? इस मामले में एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने भारत को परमाणु जंग की धमकी है। मुनीर ने सिंधु जल संधि स्थगित करने को लेकर भारत पर 10 मिसाइलों से हमला कर तबाह करने की बात कही। मुनीर ने कहा-भारत के इसे स्थगित करने के फैसले से 25 करोड़ लोगों के भुखमरी का खतरा पैदा हो सकता है। अगर भारत ने इस पर बांध बनाया तो हम उसे 10 मिसाइलों से उड़ा देंगे। उन्होंने कहा-हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। मुनीर का यह बयान ठीक उसी तरह है, जैसे यह कहावत है कि हम तो डूबेंगे सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे। मुनीर ने कहा कि भारत क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने पर तुला हुआ है। उन्होंने आगाह किया कि कोई भी गलती इलाके में बड़े संघर्ष की वजह बन सकती है। मुनीर ने भारत पर झूठे बहाने बनाकर पाकिस्तान पर हमला करने का आरोप लगाया। मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी रणनीति से पाकिस्तान-भारत के बीच युद्ध टला। मुनीर ने इस दौरान उन्होंने भारतीय एजेंसी रॉ को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया।

भारत पर भारी टैरिफ लगाने का फायदा उठाने की फिराक में

दरअसल, पाकिस्तान भारत पर लगे अमेरिकी टैरिफ का फायदा उठाने में लगा हुआ है। पाकिस्तान इस मौके की ताक में अरसे से है। वह खुद को अमेरिका परस्त दिखाकर अमेरिका के साथ नए कारोबारी समझौते कर सकता है। यही वजह है कि जनरल मुनीर बार-बार अमेरिका जा रहे हैं। हालांकि, अमेरिका भी यह जानता है कि पाकिस्तान कभी भी भारत का विकल्प नहीं बन सकता है।

भारत-पाक सेनाओं का एक ही समय पर युद्धाभ्यास

मुंबई, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान की नौसेनाएं आज एक ही समय पर अरब सागर में युद्ध अभ्यास कर रही हैं। यह ड्रिल अगले कुछ दिनों तक चलेगी। हालांकि अभी यह जानकारी सामने नहीं आई है कि दोनों देशों के कौन-कौन से युद्ध पोत अभ्यास में हिस्सा लेंगे। खबरों के मुताबिक भारतीय नौसेना के युद्धपोत अरब सागर में अभ्यास करेंगे।

दोनों देशों ने अरब सागर में अपनी-अपनी सीमाओं में ड्रिल के लिए नोटिस टु एयरमैन जारी किया है। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला मौका है जब दोनों देश अपने-अपने इलाकों में शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं।

डायल 100 को बंद कर अब नई 112 सेवा शुरू करने की तैयारी पूरी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम डायल-100 के अपग्रेड वर्जन डायल 112 की 14 अगस्त को लॉन्चिंग की तैयारी पूरी हो गई है। 15 अगस्त से डायल 100 सेवा को बंद कर नई डायल 112 सेवा शुरू की जाएगी। खास बात यह है कि 1000 की जगह 1200 गाड़ियों की तैनाती की जाएगी। यह गाड़ियां नई तकनीक से लेस होंगी।

रेडियो अधिकारियों के मुताबिक रिस्पांस टाइम कम करने और इसे प्रभावी बनाने के लिए एआइ आधारित ऑटो डिस्पैच तकनीक को लागू किया जाएगा। इससे नंबर बार-बार व्यस्त मिलने की समस्या नहीं होगी।आपातकाल नंबर पर दिनभर में प्रदेश से हजारों फोन कॉल प्रतिदिन आते हैं। ऐसे में जनता की शिकायत रहती है कि इमरजेंसी में फोन करने पर नंबर बार- बार व्यस्त आता है। ऐसे में कॉल हैंडलर और डिस्पैचर सीटों की संख्या में भी इजाफा किया जाएगा। कॉल हैंडलर की संख्या 100 की जाएगी और डिस्पैचर सीटों की संया 24 से बढ़ाकर 40 की जाएगी। गोपनीयता रखने कॉलर नंबर मास्किंग की तकनीक को भी लागू किया जाएगा।शहर और गांवों के लिए अलग- अलग गाड़ियां खरीदी गई हैं, क्योंकि शहरी क्षेत्र में कम ग्राउंड क्लीयरेंस की गाड़ियों से भी काम चलाया जा सकता है। ग्रामीण इलाकों में पुलिस को ज्यादा ग्राउंड क्लीयरेंस वाली गाड़ियों की जरूरत होती है। 1200 गाड़ियों में करीब 500 गाड़ियां ज्यादा ग्राउंड क्लीयरेंस वाली खरीदी गई हैं, लेकिन जिलों में गाड़ियां किस आधार पर बांटी जाएंगी इसका फैसला फिलहाल नहीं किया गया है।

रेल यात्री होते रहे परेशान : पांच लाख यात्रियों को बदलना पड़ा सफर का कार्यक्रम

रद्द करने पड़ रहे टिकट, रेलवे पर बढ़ रहा मुसाफिरों की अपेक्षाओं का बोझ

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अक्सर त्योहारों व गर्मी आदि की छुट्टियों के दौरान रेल महकमे द्वारा किये जाने वाले तमाम इंतजाम भी कम पड़ने लगे हैं। हजारों यात्री सफर से वंचित होते हैं क्योंकि उनके टिकट कंफर्म नहीं हो पाते। हाल में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक हालिया गर्मी की छुट्टियों और त्योहारों के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ और सीमित सीटों के कारण बड़ी संख्या में यात्रियों के रेल टिकट कन्फर्म नहीं हो पाए। इस कारण भोपाल रेल मंडल के ही करीब डेढ़ लाख और पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों-भोपाल, जबलपुर और कोटा के लगभग 5 लाख यात्री रेल यात्रा से वंचित रह गए। हालांकि लंबे समय से माना जा रहा है कि जरूरत के लिहाज से पांच सेक्टरों में सफर के लिए भोपाल रेल मंडल से ट्रेनों की खासी जरूरत है। इन सेक्टरों में रीवा-सतना, मुंबई,दिल्ली, पटना, जम्मू, झांसी,कानपुर, लखनऊ, गो रखपुर आदि शामिल हैं। उधर बताया जाता है कि देशभर में इस दौरान करीब 3 करोड़ यात्रियों के टिकट कन्फर्म नहीं हो पाए। इसके चलते या तो उन्हें वैकल्पिक साधनों से यात्रा करनी पड़ी या सफर स्थगित करना पड़ा।

इस मामले में अब पश्चिम-मध्य रेलवे की जोनल उपयोगकर्ता व सलाहकार समिति के सदस्यद्वय निरंजन वाधवानी और मुकेश अवस्थी कह रहे हैं कि रीवा, पटना, मुंबई, गोरखपुर, दिल्ली, जम्मू जैसे सेक्टरों में सीधी ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाए और लोकप्रिय ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े जाएं ताकि भविष्य में ऐसी समस्या न आए।

चार ट्रेनें तक कम पड़ीं

दरअसल हाल में , रक्षाबंधन के दौरान भोपाल रेल मंडल ने यात्रियों की संख्या देखते हुए भोपाल से रीवा के लिए दो नियमित के अलावा दो स्पेशल ट्रेनें चलाईं। यह ट्रेनें भी यात्री संख्या के लिहाज से कम पड़ीं । ऐसे ही हालात खासतौर पर सीजन के समय मुंबई, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पटना, जम्मू आदि सेक्टरों में भी बने। इस लिहाज से छह सेक्टर के लिए कम से कम दस ट्रेनों की जरूरत रही है। भोपाल स्टेशन पर तैनात रहे एक अधिकारी कहते हैं कि ट्रैक की संख्या बढ़ाने का जो काम चल रहा है, वह भविष्य की तैयारियां हैं। ट्रेनों भी बढ़ाई जाना जरूरी हैं।

नये सिरे से हो रहा विचार

हालांकि भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों का कहना है कि उच्च मांग वाले सेक्टरों की पहचान कर मंत्रालय को अतिरिक्त ट्रेनें संचालित करने का प्रस्ताव समय-समय पर भेजा जाता है। साथ ही, कोचों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि आगामी त्योहारों में यात्रियों को राहत मिल सके। गौरतलब है कि रेलवे द्वारा गर्मियों और त्योहारों में अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन किया गया, लेकिन वह यात्रियों की संख्या के अनुपात में नाकाफी साबित हुआ।

जन्माष्टमी पर इस्कॉन मंदिर में बड़ी संख्या में शामिल होंगे श्रद्धालु

भोपाल, दोहपर मेट्रो

जन्माष्टमी की तैयारी शहर में कई जगह शुरू हो गई है। इसके तहत पटेल नगर स्थित इस्कॉन मंदिर श्री गौर राधा वल्लभ में इस बार जन्माष्टमी महोत्सव भव्य रूप में मनाने की तैयारी है। आगामी 16 अगस्त, शनिवार को होने वाला यह आयोजन मंदिर के इतिहास में अनूठा होगा क्योंकि यह श्री गौर राधा वल्लभ विग्रह की पहली जन्माष्टमी होगी। आयोजकों का दावा है कि यह मध्यप्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी जन्माष्टमी होगी, जिसमें 75 हजार से ज्यादा श्रद्धालु शामिल हो सकते हैं।

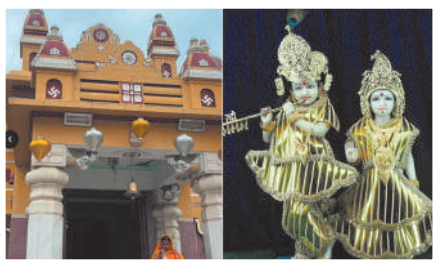

इस खास आयोजन के लिये पूरे मंदिर परिसर को करीब 500 किलो फूलों से सजाया जाएगा। रंग-बिरंगे पर्दे, झूमर, कलश, बंदनवार, राजस्थानी पेंटिंग्स और हैंडीक्राफ्ट से वातावरण में वृंदावन और मेवाड़ की झलक देखने को मिलेगी। दिनभर भजन, कीर्तन और कथा के बीच सबसे खास पल होगा कलश अभिषेक, जिसमें फल-रस, औषधि, दूध, दही और शहद से भगवान का अभिषेक किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शाम 6:30 बजे मुख्य नाट्य प्रस्तुति शांति दूत कृष्ण और बच्चों की प्रस्तुति माखन चोर कृष्ण होगी। जानकारी के मुताबिक पूरे आयोजन में 500 से अधिक ब्रह्मचारी, युवा और गृहस्थ भक्त सेवा देंगे। सुरक्षा, पार्किंग, सुविधा केंद्र, फर्स्ट-एड और प्रसाद वितरण के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। पूरे दिन प्रसाद सभी आगंतुकों को परोसा जाएगा। इस्कॉन मंदिर प्रबंधन ने भोपाल और आसपास के लोगों से इस अद्वितीय जन्माष्टमी महोत्सव में शामिल होने का भी अनुरोध किया है।

जनता की शिकायतें बरकरार, स्मार्ट मीटर के फायदे बताने मैदान में बिजली अफसर

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी में स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर कई विरोध प्रदर्शन के बावजूद समस्या यथावत है। लोगों की शिकायत है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से ही उन्हें भारी यानी ज्यादा राशि के बिल दिए जा रहे हैं। इस प्रदर्शन के बीच ही बिजली कंपनी पहली बार आज स्मार्ट मीटर के फायदे बताने उतरी है। अफसर 2 घंटे का सेमिनार कर रहे हैं। इसमें तकनीकी पहलू के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। ज्ञात हो कि स्मार्ट मीटर को लेकर गोविंदपुरा समेत कई जगहों पर प्रदर्शन हो चुके हैं। कांग्रेस के साथ बीजेपी विधायक भी नाराजगी जता

चुके हैं। इसके बाद बिजली कंपनी 2 घंटे की कार्यशाला कर रही है। इसमें स्मार्ट मीटर से संबंधित तकनीकी पहलू, उपभोक्ताओं के लाभ और कार्यप्रणाली पर जानकारी दी जा रही है। र्ट मीटर को लेकर भोपाल ही नहीं, प्रदेश के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लोगों की शिकायत है कि स्मार्ट मीटर तेज चल रहे हैं। इससे बिजली का बिल भी ज्यादा आ रहा है। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला का कहना है कि बिजली कंपनी ने स्मार्ट मीटर के जरिए आम व्यक्ति की जेब पर डाका डालने का नया तरीका निकाला है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी द्वारा भी स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध किया जा रहा है। कमेटी अध्यक्ष दानिश खान ने बताया कि स्मार्ट मीटर के नाम पर गरीब उपभोक्ताओं को अनाप-शनाप बिल दिए जा रहे हैं। जबरन ?पुराना बकाया बताया जा रहा है। शहर के कई मोहल्लों और गलियों में स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदर्शन कर फ्लैक्स लगाए जाएंगे।

कलियासोत क्षेत्र में तफरीह को निकल रहे टाइगर

भोपाल। राजधानी के आसपास जंगलों में बरसात से जहां हरियाली फैल गईज्ञ है, वहीं कलियासोत डैम के पास फिर टाइगर का मूवमेंट देखने को मिल रहा है। हाल में एक कार सवार ने सड़क किनारे खड़े बाघ का वीडियो मोबाइल में कैद कर लिया।

बताया जाता है कि बाघ काफी देर तक अपनी ही जगह पर खड़ा रहा। यह वाकया शनिवार-रविवार की रात कलियासोत डैम के 11 शटर के पास दिखा। माना जा रहा है कि बाघ सड़क पार करना चाह रहा था। इसी दौरान कार में बैठे युवक ने वीडियो बना लिया। खबरों

के मुताबिक करीब 28 सेकेंड के इस वीडियो में बाघ काफी देर तक सड़क किनारे ही खड़ा रहा। उस पर कार की हेडलाइट की रोशनी पड़ती रही। इसके बाद वह पलटकर झाड़ियों से होकर जंगल की ओर चला गया। उल्लेखनीय है कि इस इलाके में कई बाघ हैं। जिनका अक्सर मूवमेंट देखने को मिलता रहता है। हालांकि इस इलाके में टाइगर का मूवमेंट नयी बात नहीं हैं। पिछले साल केरवा रोड स्थित मदरबुल फार्म के पास टाइगर ने एक गाय का शिकार किया था, जबकि बैरागढ़ चिचली में गाय पर हमला कर दिया था। मदरबुल फार्म फारेस्ट एरिया के पास है। इसके आसपास इलाकों में टाइगर का मूवमेंट रहता है। ऐसे में वे फार्म में भी आ जाते हैं। डेढ़ साल पहले एक सूअर का शिकार करते हुए बाघिन भी यहां पहुंच गई थी। इसके अलावा स्ट्रीट डॉग का शिकार करने के लिए एक बाघ 8 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल कूद गया था।

साइकिल राइडर्स ने दिया संदेश व किया जुंबा

भोपाल। राजधानी की सड़कों पर राइड फॉर प्राइड-घर-घर तिरंगा मेरी शान तिरंगा नाम से साइकिल रैली में सैंकड़ों साइकिल राइडर्स शामिल हुए । स्पोर्ट प्रमोटर कल्चरल ग्रुप, जिला पुरातत्व टूरिज्म सांस्कृतिक परिषद भोपाल के अंतर्गत खेल एवं युवक कल्याण विभाग और पर्यटन बोर्ड ने यह साइकिल रैली निकाली। इस दौरान राइडर्स और अन्य लोगों ने जुंबा किया। वहीं, कई देशभक्ति के गीतों पर नृत्य किये गये। इससे पहले साइकिल राइड भोजपुर क्लब से प्रारंभ होकर बोट क्लब पर समाप्त हुई। रैली प्रारंभ से पहले भोपाल के

सभी साइकिल राइडर ग्रुप का सम्मान किया गया। साइकिल रैली न्यू मार्केट समेत कई रास्तों से होती हुई बोट क्लब पहुंची। मानव संग्रहालय के संचालक अमिताभ पांडेय, ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी भोपाल के सिद्धार्थ चतुर्वेदी, पोस्टल डिपार्टमेंट के डायरेक्टर पवन कुमार डालमिया, भोजपुर क्लब के अध्यक्ष संजय गुप्ता, जिला पुरातत्व टूरिज्म सांस्कृतिक परिषद् के संयुक्त सचिव संदीप कुमार श्रीवास्तव, स्पोर्ट्स प्रमोटर ग्रुप के सचिव सूरज बागजई, टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर केके सिंह, कार्यक्रम प्रभारी मुकेश शर्मा, एंकर विकास यादव आदि भी मौजूद थे।

मेट्रो एंकर — कसतगुरु स्वामी शांति प्रकाश जी का 119वां जन्मोत्सव मनाया

पूजा अर्चना, केक काटा, झूमकर नाचे स्वामीजी के अनुयायी

हिरदाराम नगर। दोहपर मेट्रो

सतगुरु स्वामी शांति प्रकाश जी महाराज का 119वां जन्मोत्सव रविवार को धार्मिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया, जिसका आयोजन स्वामी शांति प्रकाश धर्मशाला ट्रस्ट, सिंधु नव जागरण समिति, झूलेलाल कल्याण मंडल सेवा समिति और सिंधु जागृति सेवा समिति द्वारा किया गया।

मुख्य मार्ग पर स्थित झूलेलाल मंदिर में स्वामी जी की प्रतिमा के समक्ष यह कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां भक्तों ने उनकी पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर भगत कमल खत्री के भजनों का कार्यक्रम हुआ, जिसमें स्वामी जी और भगवान झूलेलाल के भजनों पर धर्म प्रेमी भावविभोर होकर झूम उठे।

कार्यक्रम के दौरान पू'य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी, समिति के अध्यक्ष राम पारदासानी और मंदिर के अध्यक्ष राज वाधवानी ने सभी धर्म प्रेमियों को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने स्वामी शांति प्रकाश जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया, जिसमें दीन-दुखियों, गरीबों, बुजुर्गों और ब'चों की सेवा करने पर जोर दिया गया है।

जन्मोत्सव पर केक काटा गया और भक्तों के लिए महाप्रसादी भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस आयोजन में घनश्याम लालवानी, आसनदास वाधवानी, दयाल सतानी, सीतल चेलानी, गुलाब जेठानी, महेश खटवानी, मुरली गुरबानी, हीरो आडवानी, रमेश, प्रेम कुमार पठानी, वीरूमल लखानी, कमलेश छुगानी, भरत पारदासानी, मघराम और भारती चांदवानी सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ

कर्नल नारायण पारवाणी ने सुनाई कारगिल की विजय गाथा

हिरदाराम नगर। दोहपर मेट्रो

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र ने राय भर में कारगिल विजय और शौर्य स्मरण कार्यक्रम आयोजित किए। 26 जुलाई से 8 अगस्त तक कार्यक्रमों का सिलसिला चला, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी को कारगिल युद्ध के गौरवशाली इतिहास और भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस से परिचित कराना था।

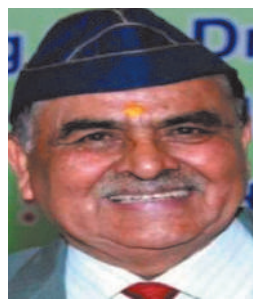

कर्नल नारायण पारवानी ने मुख्य वक्ता के रूप में भोपाल के तीन विश्वविद्यालयों और रायसेन जिले के एक विश्वविद्यालय में कारगिल युद्ध पर अपनी बात रखीत्र इसके अलावा संतनगर के संस्कार पब्लिक स्कूल और एक शासकीय कन्या उ'चतर माध्यमिक विद्यालय में भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रमों में कर्नल पारवानी ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्र-छात्राओं को कारगिल की अविस्मरणीय गौरव गाथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कारगिल युद्ध अब तक के सबसे कठिन युद्धों में से एक था, जिसमें भारतीय रणबांकुरों की वीरता, साहस और बलिदान का कोई सानी नहीं था। इन कार्यक्रमों का समापन कारगिल के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। कर्नल पारवानी ने जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के मध्य प्रदेश प्रमुख डॉ. विश्वास चौहान, कार्यक्रम संयोजक डॉ. राजेंद्र मांडवकर और सभी आयोजन संस्थानों का युद्ध की विजय से बच्चों को जोड़ने का मौका देने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे कार्यक्रम हमारी नई पीढ़ी में उत्साह और देशभक्ति की भावना भरने में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं।

अंतिम तिथि तक भी नहीं दिए हजारों स्कूलों ने शपथ पत्र, तारीख बढ़ाने की तैयारी

भोपाल। प्रदेश में निजी स्कूलों की मनमानी जारी है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से कई बार आदेश जारी होने के बाद भी बड़ी संख्या में निजी?स्कूलों की ओर से अब तक पोर्टल पर फीस का ब्यौरा नहीं दिया है। इसके अलावा 25 हजार से कम शुल्क लेने वाले स्कूलों की ओर से भी शपथ पत्र दिए जाने को लेकर लेटलतीफी की जा रही है। इसके लिए 8 अगस्त अंतिम तिथि निर्धारित की गई, लेकिन बड़ी संख्या में अब भी निजी स्कूलों ने शपथ पत्र नहीं दिया है। ऐसे में अब एक बार फिर अंतिम तिथि में बढ़ोत्तरी की संभावना है। पालक महासंघ के महासचिव प्रबोध पंडया के अनुसार, निजी स्कूलों की फीस को लेकर शासन की ओर से कई बार आदेश जारी किए गए हैं, लेकिन इनका पालन नहीं हो सकता है। स्थिति यह है कि निजी स्कूलों की फीस का ब्यौरा पोर्टल पर दिया जाना था। अब तक प्रदेश में मात्र 10 हजार 205 स्कूलों की ओर से पोर्टल पर जानकारी दी गई है। जबकि प्रदेश में 34 हजार से अधिक स्कूल हैं। वहीं 25 हजार से कम फीस वाले स्कूलों के ओर से शपथ पत्र दिया जाना है।

जनजातीय संग्रहालय में 'संभावना' नृत्य गायन एवं वादन प्रस्तुति

भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अग्नेश केरकेट्टा एवं साथी, भोपाल द्वारा उरांव जनजाति नृत्य सरहुल एवं उमाशंकर नामदेव एवं साथी, दमोह द्वारा राई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। अग्नेश केरकेट्टा एवं साथी, भोपाल द्वारा उरांव जनजाति नृत्य सरहुल की प्रस्तुति दी गई। मध्यप्रदेश के जनजातियों में उराँव जनजाति रायगढ़ जिले की जशपुर तहसील के आसपास निवास करती हैं। उराँव जनजातियों का सर्वाधिक प्रसिद्ध नृत्य है सरहुल। उराँव जनजाति शाल सरई वृक्ष में अपने ग्राम देवता का निवास मानती हैं, इसलिए वर्ष में एक बार चैत्र मास की पूर्णिमा को शाल वृक्ष की पूजा करते हैं और शाल वृक्ष के आसपास नृत्य करते हैं। शाल वृक्ष पर सफेद कपड़े का झण्डा फहराया जाता है।

अब सरकार का फोकस 13 से 15 अगस्त के तीसरे चरण पर, सीएम ने की समीक्षा

तिरंगा अभियान के साथ स्वदेशी भावना घर-घर पहुंचाने का मिशन

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश के सभी कमिश्नर, कलेक्टर्स, आईजी और पुलिस अधीक्षकों से कहा है कि हर घर तिरंगा अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समुचित समन्वय कर इस अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय होकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति, स्वच्छता और स्वदेशी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। सीएम ने हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा के दौरान यह? निर्देश दिये हैं। इसमें मुख्य सचिव और डीजीपी भी मौजूद थे। अभी तिरंगा अभियान के दो चरण स्कूलों में कराए जा चुके हैं। आज सोमवार को दूसरे चरण का अंतिम दिन है और अभियान का तीसरा चरण अब 13 अगस्त से 15 अगस्त तक होगा।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि स्वच्छता, शुचिता और मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स (स्वदेशी वस्तुएं) अपनाने की जागरूकता को भी हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान से जोड़ा जाए। इसे ऑपरेशन सिंदूर के सैन्य पराक्रम से जोड़कर युवाओं की सहभागिता बढ़ाएं। अधिक से अधिक तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, मानव शृंखलाएं, साइकल रैली, बाइक रैली, रंगोली प्रतियोगिता और देशभक्ति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर अभियान में अधिकतम जनभागीदारी किए जाए। आमजन को आसानी से राष्ट्रध्वज उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के लिए झंडों की पर्याप्त आपूर्ति कर ली जाए। इसमें स्वसहायता समूहों की मदद भी लें। सेना के जवानों और विभिन्न अभियानों में शहीद हुए जवानों के परिजन को 13 से 15 अगस्त तक होने वाले हर घर तिरंगा अभियान एवं स्वाधीनता दिवस कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाए।

बैठक में दी गई गतिविधियों की जानकारी

बैठक में अभियान के नोडल संस्कृति विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अभियान के अंतर्गत अब तक हुईं गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान का प्रथम चरण बखूबी पूरा कर लिया गया है। प्रदेश के 406 निकायों में 1331 जनजागरूकता अभियान चलाए गए। करीब 1700 विद्यालयों में तिरंगा से प्रेरित सार्वजनिक कला एवं रंगोली का निर्माण किया गया। झण्डे के निर्माण के लिए 235 स्व-सहायता समूहों का सहयोग लिया गया।

स्कूल शिक्षा विभाग भी सक्रिय

इस अभियान को लेकर लोक शिक्षण संचालनालय ने कहा है कि जिलों में स्कूलों के प्राचार्य और शिक्षकों के नेतृत्व में तिरंगे के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाए। बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जानकारी दी जाए। राष्ट्रीय ध्वज एवं इसके इतिहास पर स्कूलों में व्याख्यान के विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। स्कूलों में होने वाली तिरंगा रैलियों में बच्चों के साथ अधिक से अधिक नागरिकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

बार-बार विभागीय परीक्षा नहीं होगी

सरकारी भर्तियों को लेकर नए नियम सितंबर से लागू होने के आसार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र सरकार ने भर्तियों को लेकर नये नियम तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिये नये सिरे से विभागीय नियम तैयार किया जा रहे हैं। सब कुछ ठीक रहा तो यह नियम सितंबर से लागू हो जाएंगे। बताया जाता है कि सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों से पूछा है कि उनके यहां रिक्त पदों पर भर्ती की क्या स्थिति है। अभी तक कितने पदों के लिए विज्ञापन जारी कर दिए गए हैं और कितनों की परीक्षा तिथि घोषित हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने रिक्त पदों को समय सीमा में भरने और अभ्यर्थियों को एक बार परीक्षा देकर पात्रता निर्धारित करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल के भर्ती परीक्षा संबंधी नियमों का अध्ययन करके इनमें एकरूपता के लिए नियमों में संशोधन करने की आवश्यकता को देखते हुए प्रस्ताव तैयार किया है। दरअसल, सरकार ने 2028 तक ढाई लाख से अधिक रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती की कार्य योजना तैयार करने की कवायद की। 2026 और 27 में सर्वाधिक भर्तियां होंगी। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने एक पोर्टल भी तैयार किया है, जिससे यह आसानी से पता चल जाएगा कि किस विभाग में कब कितने पद रिक्त हो रहे हैं। इसके आधार पर विभाग राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल को समय से पहले ही भर्ती के लिए प्रस्ताव भेज देंगे। बताया जाता है कि इसके लिये मुख्यमंत्री मोहन यादव को नियमों का मसौदा भेजा जाएगा और कैबिनेट के सामने अंतिम निर्णय के लिए रखा जाएगा।

पीएम जनमन योजना में जनजातीय बसाहटों में बढ़ी आधारभूत सुविधाएं

भोपाल। जनजातीय बसाहटों को आधारभूत सुविधाओं से संपन्न बनाने और जनजातीय परिवारों में खुशियां लाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन को साकार करते हुए मध्यप्रदेश ने पीएम जनमन योजना में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में पीएम जनमन योजना में 5800 जनजातीय बसाहटों में रह रहे 2 लाख 62 हजार से ज्यादा सहरिया, बैगा और भारिया परिवारों को विभिन्न विभागों की योजनाओं का सीधा लाभ मिला है। आधार कार्ड, जनधन बैंक खाता, आयुष्मान भारत, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड देने में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। वे हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ लेने में इन

वोट चोरी पर खुलासे की पीसी का पीसीसी में प्रसारण

राहुल गांधी के चुनाव आयोग मुद्दे पर कांग्रेस मप्र में करेगी धरना-प्रदर्शन

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में राहुल गांधी की वोट चोरी के मुद्दे पर की दिल्ली में गई पत्रकार वार्ता का पत्रकारों के बीच पुनः प्रसारण किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक, भोपाल जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, प्रवक्ता रवि सक्सेना, आनंद जाट, अभिनव बरोलिया सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। नायक ने बताया कि 13 अगस्त को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा बुलाई गई पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में इस मुद्दे पर पूरे राज्य में पत्रकार वार्ताओं, रैलियों, धरनों और प्रदर्शनों का व्यापक

कार्यक्रम तय किया जाएगा। इस मौके पर नायक ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा उजागर किए गए तथ्य लोकतंत्र पर गहरा आघात हैं। मध्य प्रदेश में यह फर्जीवाड़ा महाराष्ट्र से भी बड़ा है। यहां कई विधानसभा क्षेत्रों में एक ही व्यक्ति के नाम पर अनेक पोलिंग बूथों पर वोटर पंजीकरण है। दूसरे राज्यों के लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी आरोप लगाती है कि देश में अल्पसंख्यकों की जनसंख्या बढ़ रही है, लेकिन दूसरी तरफ सच्चाई यह है कि अल्पसंख्यकों के नए मतदाताओं के नाम जानबूझकर मतदाता सूची में जोड़े ही नहीं जाते।

10 हजार से अधिक शिक्षक गैर शैक्षणिक कार्यों में लगे

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूल शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। इसके बावजूद 10 हजार से अधिक शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाया गया है। कई सरकारी स्कूल ऐसे भी हैं जो एक शिक्षक के भरोसे चल रहा है। कुछ स्कूलों में प्राचार्य नहीं है, इस कारण प्रभारी प्राचार्य प्रबंधन का कार्य देख रहे हैं। विभागीय जानकारों के अनुसार, वहीं प्रदेश के करीब 10 हजार शिक्षक पढ़ाना छोड़कर गैर शैक्षणिक कार्य में लगे हैं। कई शिक्षक विभागीय कार्यालयों में बाबूगिरी कर रहे हैं। वहीं बड़ी संख्या में शिक्षकों को बीएलओ, डीपीआई, राज्य शिक्षा केंद्र सहित अन्य कार्यालयों में लगा रखा है।?वहीं शिक्षकों को भी कार्यालयों में कार्य करना ज्यादा पसंद है। कई शिक्षक जो मंत्री, विधायक या अन्य विभागीय कार्यालयों में कार्य कर रहे हैं, वे अब अपने मूल संस्था में लौटना नहीं चाहते हैं। हालांकि विभाग की ओर से शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति व अटैचमेंट समाप्त कर उन्हें मूल संस्था में लौटने का आदेश कई बार जारी किया गया है, लेकिन फिर भी पालन नहीं हो रहा है।

मेट्रो एंकर | बुरहानपुर ग्रामीण महिलाएं लिख रही आत्मनिर्भरता की नई कहानी

आधी आबादी को सशक्त बनाने की पहल

भोपाल, दोहपर मेट्रो

केंद्र सरकार के महिला सशक्तीकरण अभियान के तहत मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले की ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के सहयोग से जिले में ब्यूटी पार्लर ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें सैकड़ों गृहिणी और युवतियां भाग ले रही हैं।

यह तीन महीने का कोर्स विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए शुरू किया गया है, जो अपने जीवन में कुछ नया सीखकर खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं। गांव-गांव से महिलाएं प्रशिक्षण में हिस्सा लेने के लिए आ रही हैं। यहां उन्हें हेयर स्टाइलिंग, मेकअप, फेशियल और स्किन केयर जैसी ब्यूटी सेवाओं की तकनीकी जानकारी दी जा रही है।

इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है ताकि वे खुद की आजीविका चला सकें और परिवार का सहारा बन सकें। महिलाएं

इस प्रशिक्षण से न केवल आत्मविश्वास से भर रही हैं, बल्कि अपने भविष्य को लेकर नए सपने भी देख रही हैं। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं कई महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ग्रामीण विकास मंत्रालय का आभार जताते हुए कहा कि यह पहल उन्हें समाज में आत्मनिर्भर और सम्मानजनक स्थान दिलाने में मदद करेगी। यह कार्यक्रम सशक्त भारत की दिशा में एक प्रभावशाली कदम है, जो ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है और खुद का रोजगार शुरू करने की प्रेरणा दे रहा है।

ट्रेनिंग ले रही रोशनी दयाराम पवार ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान बताया कि वह ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान में ब्यूटी पार्लर का कोर्स कर रही हैं। यहां रहना और खाना मुफ्त है।

संपादकीय

भरोसे व पारदर्शिता का बड़ा सवाल

अब चुनाव आयोग फिर निशाने पर है। देश की चुनाव प्रक्रिया पर कई तल्ख सवाल उठ गये हैं। हालांकि इस पर राजनीतिक रूप से दो स्पष्ट पक्ष खड़े नजर आते हैं लेकिन इसका महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इन आरोपों पर खुद आयोग जांच कराए ताकि लोगों के मन में अपने वोट को लेकर कोई शंका न बाकी रहे। वैसे भी लोकतंत्र की मजबूती और विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि उसमें सरकार के चुने जाने की प्रक्रिया कितनी स्वच्छ, स्वतंत्र और पारदर्शी है। इसके लिए चुनाव आयोजित कराने वाली संस्था को यह सुनिश्चित करना होता है कि कोई भी नागरिक वोट देने के अधिकार से वंचित न हो, मतदान की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तथा चुनाव में हिस्सेदारी करने वाले सभी दलों के लिए भरोसेमंद हो और नतीजों को लेकर सभी पक्ष संतुष्ट हों। मगर हमारे देश में होने वाले अमूमन हर चुनाव के बाद जिस तरह के विवाद सामने आते रहे हैं, मतदान की प्रक्रिया में गड़बड़ी और इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों के समूचे तंत्र के साथ-साथ नतीजों तक को लेकर जैसे सवाल उठे हैं, उससे कई तरह की आशंकाएं लगातार सामने आती हैं। इसीलिए जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से कई जगहों पर मतदान और उसमें हुई गड़बड़ियों के संदर्भ में चुनाव आयोग की कार्यशैली को लेकर जिस तरह के सवाल उठाए, वे अपनी प्रकृति में बेहद गंभीर हैं और स्वाभाविक ही इस पर चुनाव आयोग की ओर से स्पष्टता की अपेक्षा की जाती है। राहुल गांधी ने बकायदा संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उनका दावा है कि लोकसभा चुनावों के बाद हरियाणा व महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर धांधली की गई। उन्होंने कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र का आंकड़ा सामने रखते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची में हेरफेर, फर्जी मतदाता, गलत पते, एक पते पर कई मतदाता, एक मतदाता का नाम कई जगह की सूची में होने जैसे कुछ खास तरीकों पर आधारित 'वोट चोरी' करने के इस माडल को कई निर्वाचन क्षेत्रों में अमल में लाया गया, ताकि भारतीय जनता पार्टी को फायदा मिल सके। हालांकि चुनावी गड़बड़ियों की शिकायतें पहले भी आती रही हैं, लेकिन आमतौर पर वे किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकीं या फिर निर्वाचन आयोग की ओर से उन्हें निराधार घोषित कर दिया गया। अब इस बार जिस गंभीर स्वरूप में इस मामले को उठाया गया है तथा प्रामाणिकता का दावा किया गया है उसके बाद देश भर में यह बहस खड़ी हो गई है कि अगर इन आरोपों का मजबूत आधार है तो इससे एक तरह से समूची चुनाव प्रक्रिया की वैधता कठघरे में खड़ी होती है। इस मसले पर चुनाव आयोग ने फिलहाल कोई जवाब देने के बजाय राहुल गांधी से शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर कर शिकायत देने या फिर देश की जनता को गुमराह न करने को कहा है। मगर राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' का दावा करते हुए जिस तरह अपने आरोपों को सबूतों पर आधारित बताया है, उसके बाद चुनाव आयोग से उम्मीद की जाती है कि वह समूची चुनावी प्रक्रिया पर भरोसे को बहाल रखने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ इस संबंध में उठे सवालों का जवाब सामने रखे। इन दिनों बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में भी लाखों मतदाताओं को बाहर किए जाने को लेकर कई सवाल उठे हैं। भारत में चुनाव का तंत्र बहुत व्यापक है इसलिये अगर वास्तव में कोई गड़बड़ी रही है, तो उन कमियों को स्वीकार करके उसमें सुधार करते हुए आगे बढ़ना ही सही होगा।

इस दुनिया को प्रेम बचाता है, इस दुनिया को प्रेम की स्मृति भी बचाती है।
- गीत चतुर्वेदी

आज का इतिहास

- **1999:** यूरोप और एशिया में सदी का अंतिम सूर्यग्रहण।
- **2000:** फिजी के विद्रोही नेता जार्ज स्पेट के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने का निर्णय।
- 2001: उत्तरी आयरलैंड विधानसभा भंग, आयरिश विद्रोहियों को निशस्त्रीकरण के लिए दो सप्ताह का समय।
- 2004: चीनी कम्प्यूटर उद्योग के पितामह चेन चुनशियान का 70 वर्ष की उम्र में निधन। भारत और पाकिस्तान ने वांछित अपराधियों की सूचियों की अदला-बदली की। भारत और पाकिस्तान के मध्य आतंकवाद और मादक द्रव्यों की तस्करी सहित आठ मुद्दों पर इस्लामाबाद में वार्ता सम्पन्न। संयुक्त राष्ट्र परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने ईरान को पाकिस्तान द्वारा परमाणु मदद दिये जाने की पुष्टि की।
- 2006 : पाकिस्तान ने तीसरी अगोस्टा 90बी श्रेणी की पनडुब्बी का जलावतरण किया।
- 2007 : मोहम्मद हामिद अंसारी भारत के 13वें उपराष्ट्रपति बने।
- 2008 : एकीकृत इस्पात मैन्युफैक्चरर्स गोदावरी पावर एण्ड इस्पात ने छत्तीसगढ़ सरकार के साथ 1570 करोड़ रुपये के एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये। आर जे नायक पार्श्वनाथ रिटेल में स्वतन्त्र निदेशक नियुक्त हुए।
- 1961: चन्द्र शेखर बेल्लाना - भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश से राजनीतिज्ञ हैं।
- 1892 : आर्ची विलेस, पश्चिम भारतीय क्रिकेटर।
- 1949: डी. सुब्बाराव - भारतीय रिज़र्व बैंक के बाइसवें गवर्नर।
- 1954 : यशपाल शर्मा - प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर, जो 1983 में पहली बार %क्रिकेट विश्वकप% विजेता भारतीय टीम के सदस्य थे।

निशाना

जोर है लगाया !

उलटफेर करने को ।
जोर है लगाया ।।
है पूरा प्रयास ।
करें जो फरमाया ।।
हैं हम ही अब बेहतर ।
पुन-याद दिलाया ।।
कसी कमर है जनता ।
उनका तय सफाया ।।
चिंतन मनन जारी है ।
लेने को कमान ।।

- कृष्णेन्द्र राय

ठान लिया है जनता ने ।
देना ही सम्मान ।।
देखते पर ये दावे ।
लेते कैसा रुप ?
जनता ने है तय किया ।
इनके कुछ अनुरुप?

शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझें

■ दिनेश सी शर्मा

देश में चल रहे मानसून मौसम में पूरे देश में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जैसा कि भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमान दिया था। कई राज्यों में भारी बारिश हुई है, जिसमें पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश के कारण आपदाएं जैसे भूस्खलन और अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं।हिमालयी क्षेत्र–हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में लगातार, व्यापक और तीव्र बारिश हुई है। इस मौसम की सबसे भयंकर आपदाओं में से एक उत्तरकाशी जिले के धराली में आई, जहां कथित रूप से बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने जान-माल का नुकसान किया। यह क्षेत्र की पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील स्थिति में अनियंत्रित विकास के खतरे की गंभीर याद दिलाता है।मैदानों में भी मानसून का कहर जारी है, जहां बड़े शहरों में सड़कों पर जलभराव, जान-माल के नुकसान और पुरानी संरचनाओं का ढह जाना देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर जलजमाव के कारण भारी ट्रैफिक जाम, सड़कों और राजमार्गों पर कार और ट्रकों का सिंक होल में गिरना, स्कूलों और कार्यालयों में फंसे लोग तथा बिजली की चपेट में आने जैसी दुखद घटनाओं की तस्वीरें वायरल हो रही हैं।कुछ नए बने हवाई अड्डों की इमारतें लगातार बारिश को सहन नहीं कर पाईं। प्रभावित शहर जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र और आउटसोर्सिंग हब हैं।

बारिश से होने वाले प्रभावों को केवल 'प्रकृति का क्रोध' मान लेना गलत होगा। जो कुछ भारतीय शहर मानसून में जलभराव बढ़ने की जिस चुनौती को झेल रहे हैं, वह अतार्किक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे की अनदेखी, नगर निगम के नियमों के उल्लंघन, हरियाली और खुले क्षेत्रों के कटाव, बड़े पैमाने पर कंक्रीट का उपयोग आदि का संयुक्त परिणाम है। इसके ऊपर जलवायु परिवर्तन भी है, जो स्वयं मानव निर्मित समस्या है। दशकों से वैज्ञानिक अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि की चेतावनी दे रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का परिणाम है।एक चरम मौसम घटना तब होती है जब किसी स्थान पर सामान्य मात्रा से कहीं अधिक वर्षा या हिमपात होता है, जैसा कि हमारे कई शहरों में हो रहा है। किसी शहर या क्षेत्र की औसत वर्षा सामान्य सीमा में रह सकती है, लेकिन कुछदिनों या स्थानों पर बहुत कम समय में भारी वर्षा होती है, जिससे जलजमाव और स्थानीय बाढ़ होती है। यह स्थिति केवल बिगड़ती ही जाएगी क्योंकि भारत में तीव्र गति से शहरीकरण हो रहा है। वर्तमान अनुमान के अनुसार, 2050 तक लगभग एक अरब भारतीय शहरों में रह रहे होंगे। लेकिन अगर भारतीय शहर अपनी वर्तमान विकास दिशा पर चलते रहे, तो वे अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे, जैसा कि विश्व बैंक की हाल की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत के शहर अत्यधिक जनसंख्या घनत्व और बड़ी संपत्ति के केंद्र होने के कारण जलवायु प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। शहरों में ग्रामीण इलाकों की तुलना में जलवायु प्रभाव और आपदाएं अधिक होती हैं क्योंकि वे अत्यधिक आपस में जुड़ी हुई प्रणालियों पर निर्भर हैं। जब मुख्य बुनियादी ढांचा जैसे राजमार्ग या बिजली ग्रिड टूटते हैं, तो यह एक शृंखला प्रतिक्रिया को जन्म देता है जिससे बुनियादी ढांचे की विफलता होती है और शहर ठप हो जाता है। बाढ़ सड़कें बंद कर व यातायात बाधित कर सकती है, बिजली लाइनों को प्रभावित और आर्थिक नुकसान कर सकती है, जैसा कि वर्तमान में देखा जा रहा है।

हर साल मानसून के कारण हो रही इस अराजकता को देखते हुए स्पष्ट है कि हमारे शहर आगे के शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन की दोहरी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार नहीं हैं। शहरों के पास इन प्रभावों को प्रबंधित करने की सीमित क्षमता है। उनका नियोजन और प्रबंधन प्रणाली तेजी से हो रहे शहरीकरण, जलवायु प्रभावों और विकास तथा सेवाओं की मांग के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रही है। मौजूदा प्रणाली पुरानी हो चुकी है–कई मामलों में, ये ब्रिटिश राज काल से विरासत में मिली हैं। उदाहरण के लिए, हैदराबाद की नालियां और वर्षाजल निकासी प्रणाली सदी पहले सर एम विश्वेश्वरैया द्वारा लगभग पांच लाख की आबादी के लिए डिज़ाइन की गई थी। उस समय यह प्रणाली आधुनिक मानी जाती थी और भविष्य के विकास तथा सौंदर्यशास्त्र व शहरी नियोजन जैसी चिंताओं को ध्यान में रखती थी। हैदराबाद को झीलों और बागों का शहर माना जाता था, जहां प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली अच्छी तरह से जुड़ी हुई थी। यह सब तेजी से बढ़ते भौतिक संरचना और जनसंख्या की उच्च घनत्व के कारण नष्ट हो गया। परिणामस्वरूप बाढ़ आती है।यह कहानी लगभग हर बड़े भारतीय शहर की है। कई शहर तटीय क्षेत्रों या बड़े और छोटे नदियों के बाढ़ से बने मैदानों के किनारे स्थित हैं। शहरीकरण से सतह जल अवशोषण कम हो जाता है, जिससे पहले कम जोखिम वाले क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। शहर लगातार बाढ़ मैदानों पर कब्जा कर रहे हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1985 से 2015 के बीच, बाढ़-रहित क्षेत्रों में बसाव क्षेत्र 82 प्रतिशत और उच्च बाढ़ जोखिम वाले क्षेत्रों में 102 प्रतिशत बढ़ा है। जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण के संयुक्त प्रभाव से वर्षाजल संबंधी या सतही जल बाढ़ का खतरा कई गुना बढ़ने की संभावना है।

निस्संदेह, इस समस्या का समाधान शहरों को जलवायु-लचीला बनाकर तैयार करना है। इसके लिए हमें शहर-विशिष्ट जलवायु कार्ययोजनाएं बनानी होंगी। वर्तमान में ये प्रयास न के बराबर हैं। सभी राज्यों के पास सामान्य कार्ययोजनाएं हैं, जिनका अधिकांशतः क्रियान्वयन कमजोर है या वे केवल कागजों तक सीमित हैं। शहरी क्षेत्रों की चुनौतियां विविध हैं, जिनके लिए समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है। स्थानीय जोखिम इतिहास के आधार पर शहरी बाढ़ से निपटने के लिए विशिष्ट रणनीतियां बनानी होंगी। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भी इसी तरह की कार्ययोजनाएं आवश्यक हैं। शहरों को जलग्रहण क्षेत्र आधारित बाढ़ सुरक्षा योजनाएं बनानी चाहिए ताकि बाढ़, मैदानों के विकास और वर्षाजल प्रबंधन को नियंत्रित किया जा सके। शहरी प्राधिकरणों को नालियों, बाढ़ से बचाव हेतु बांधों और बाढ़ जल को अवशोषित करने वाले खुले स्थानों के संरक्षण या निर्माण, तथा सतत शहरी जल निकासी प्रणाली में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। चेन्नई ने जोखिम आकलन के आधार पर शहर-विशिष्ट जलवायु कार्ययोजना विकसित करने की शुरुआत की है। कोलकाता बाढ़ पूर्वानुमान और चेतावनी प्रणाली पर काम कर रहा है। शहरों के लिए जलवायु कार्ययोजनाएं बिना संबंधित शासन सुधारों के सफल नहीं हो सकतीं। वर्तमान में बाढ़ सुरक्षा, शहरी नियोजन, नालियों आदि से संबंधित कई एजेंसियां हैं, जो अक्सर विरोधाभासी कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी एजेंसियों को जलवायु कार्ययोजनाओं को बनाने और लागू करने के लिए वैज्ञानिकों, नागरिक समाज और व्यवसायों के साथ काम करना होगा। शहरी बाढ़ या पहाड़ों में निरंतर आपदाओं का कोई आसान समाधान नहीं है।

साभार: लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के जानकार हैं।

धर्मराज का धर्मसंकट

■ अमिताभ दुबे

यमलोक की राजधानी 'धर्मपाल' में स्थित 'बल्लम भवन' ऐसे कांप रहा था जैसे रिचटर स्केल पर नाइन पॉइंट के मैग्नीट्यूड का भूकंप आया हो। भूकंप तो आया था पर यमलोक की धरती पर नही बल्कि वहां के राजा धर्मराज ए के ए यमराज के मन मे क्रोध का जलजला। इस समय यमलोक में सुबह के साढ़े पांच बजे थे और वहां के एकमेव निरंकुश शासक धर्मराज जी अपने यम दरवार के नवनिर्मित एनेक्जर की पांचवी मंजिल स्थित अपने विशालकाय कॉर्पोरेट लुक वाले दफ्तर में बड़ी बैचेनी से चहलकदमी कर रहे थे। उनके खड़ाऊ युक्त क्रोधित पद जब फर्श पर पड़ते थे तो सम्पूर्ण बल्लम भवन थरथरा जाता था, लगता था जैसे हाई मैग्नीट्यूड का भूकंप आया हो। यमराज को इतना क्रोधित इसके पहले त्रेतायुग में 'रावण काल' में देखा गया था।पास में ही उनका रात्रिकालीन निज सचिव उन्नीदा सा अचकचाया खड़ा हुआ था। उसके पीछे चार-पांच यमदूत 'चतुर्थ श्रेणी' अफसरों की वर्दी पहने हाँथ बांधे गर्दन झुकाये खड़े थे,तत्काल हुक्म का पालन करने हेतु। यों मन ही मन वो व्यवस्था पर बेहद खफा रहते थे। कहाँ 'फील्ड' वाली साहबगिरी जिसमे वह यमराज के प्रतिनिधि होते है और हर आत्मा उनके आगे थर थर कांपती है। भर्ती तो उनकी इसी पर हुई थी पर 'सिस्टम' ने उन्हें 'साहब' की गुलामी करने का काम दे दिया। यहां भी वही व्यवस्था दिख रही थी जो पृथ्वी लोक की सनातन भूमि पर है यानी पुलिस, सेना , वन विभाग आदि के सिपाहियों को , जिन्हें बुंदेलखंडी में 'ठुल्ला' कहते है, को साहब के यहां 'बंगला ड्यूटी' पर लगा दिया जाता है।

नीचे 'रिजर्व और कवर्ड' पार्किंग लॉट में यमराज जी की 'बीएमडब्ल्यू' यानी 'भैंसा मोस्ट वरशिप्ड' अर्ली मॉर्निंग ब्रेकफास्ट के बाद 'रौंथ' रहा था। उसके कान बेहद संवेदनशील थे। साहब की गुस्से वाली 'खड़ाऊं पदचाप' की प्रतिध्वनि उसके कान में भी पड़ रही थी। सो उसने एक 'प्रोलॉन्ग रम्भाहट' देकर जैसे 'साहब' को संदेश दिया कि वह 'रैड्डी' है। वैसे तो 'बल्लम भवन' में ट्वेंटी फोर बाई सेवन काम चलता है पूरे साल और 'स्टाफ' ''शिफ्ट' में ड्यूटी करता है। पर महाराज , उनके मुख्य सचिव श्रीमान चित्रगुप्त जी और अन्य अधिकारी सप्ताह में पांच दिन प्रातः नो से शाम छह तक बैठकर फाइलों का निपटारा करते है। शुक्रवार को शाम छह के बाद आने वाली आत्माओ को अपनी फ़ाइल के निपटारे के लिए सोमवार सुबह नो बजे तक रुकना पड़ता है। इस हेतु 'यमपुरी' में एक 'विचाराधीन वार्ड' उनके लिए 'डेडिकेटेड' है। घूमते घूमते अचानक महाराज यमराज का कर्कश स्वर गूंजा, 'गुप्ता को बुलाओ।' हड़बड़ाए निज सहायक के मुख से एक प्रश्नसूचक वाक्य फूटा, 'जी बड़े साहब को!' धर्मराज ने आग्नेय नेत्रो से उसे घूरा और बोले, 'बड़ा साहब वह तुम्हारा होगा, मेरा तो वह बड़ा बाबू चित्रगुप्त है, समझे।' असल मे रात्रिकालीन निज सहायक 'मेम साब' यानी श्रीमती चित्रगुप्त से बेहद चौकता था। जब भी वह महाराज के कहने से 'बड़े साब' को असमय फोन लगाता ,हर समय

'मेम साब' ही फोन उठाती और साहब के आराम को 'डिस्टर्ब' करने हेतु खूब सुनाती।

आज सुबह सुबह वह इस वजह से 'मुंडा' खराब करने के मूड में नहीं था। लिहाजा उसने अपने फोन को 'स्पीकर मोड' में डाला और मेम साब के नींद भरी हेलो कहते ही बोला, ' महाराज के सामने खड़ा हूँ, बड़े साहब को तुरंत दरबार आने को कहा है।' मेम साब ने अपना गुस्सा दबाकर सपाट सा जवाब दिया, 'साहब अभी वाशरूम में है।' स्पीकर मोड पर इसे महाराज ने भी सुन लिया और निज सहायक के कुछ कहने के पहले ही चिल्लाकर बोले , 'बड़े बाबू को बोलो कि पिछवाड़ा धुई के तुरंत यहां आए।' मेमसाब ने मोबाइल बंद कर गुस्से से एक तरफ फेका और 'इण्टरकॉम' से मास्टर बैडरूम वाले वाशरूम के इंटरकॉम नंबर पर साहब को व्यंग्यात्मक लहजे में सूचना दी, 'आपकेभगवान ने तुरंत दरवार में बुलवाया है।' बड़े साहब उस समय तक पिछली रात के 'डिनर रूपी' भोजन की 'अंतिम परिणीति' को आधा 'अनलोड' कर चुके थे। दरसल पिछली रात YASA यानी यमलोक एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज एसोसिएशन का क्लब हाउस में एक 'सेरेमोनियल डिनर' था जहां वह आठ स्कॉच के पेग के साथ पूरा तंदूरी मुर्गा अकेले 'पेल' गए थे। लिहाजा आज अनलोडिंग भी कुछ ज्यादा थी। फिगर कॉन्शियस मिसेज गुप्त इस मामले में बेहद किफायती है, उन्होंने सिर्फ एक गिलास 'रेड वाइन' और हल्के फुल्के स्नेक्स ही लिए थे। सो स्थिति की नजाकत को देखते हुए बड़े साहब ने शेष अनलोडिंग पर 'स्टे आर्डर' पास किया और तुरंत 'मोटोराइज्ड जेट स्प्रे' से अपना पिछवाड़ा साफ करने लगे। उसके बाद वह एक मिनिट में दांत साफ कर भड़ाक से निकले। बाहर मन मे मलाल लिए एक 'यमदूतअर्दली' चाय और बिस्किट की ट्रे लिए खड़ा था। वह बुदबुदाया, 'मेमसाब ने चाय भेजी है।' साहब ने उसे अनसुना कर ऐसे देखा जैसे वह पृथ्वीलोक से आने वाली आत्माओ को घूरते है और नाईट सुइट में ही बाहर तैयार खड़े 'नाईट ड्यूटी' सारथी के पास जा पहुंचे। यमलोक के सभी बड़े, मंझले, संझले और गंजले अधिकारी पास ही स्थित एक 'चार अमिया' नामक पहाड़ी पर स्थित हैसियत अनुसार बनाये गए बंगलो में रहते थे। रास्ते मे बड़े साहब सोच रहे थे कि इस जगह का नाम 'चार अमिया' किस मूर्ख ने रख दिया। यहां तो आम के ढेरों पेड़ लगे है! वह यह भी सोच रहे थे कि वैसे तो यमलोक पूर्णतः विकसित हो गया है पर यमराज ने अभी तक वस्त्र, अस्त्र और वाहनों को क्यों नही आधुनिक किया! इन्ही विचारो में डूबे वह कब बल्लम भवन पहुंचे और एक्सप्रेस लिफ्ट से कब महाराज के सामने पहुंच गए, उन्हें पता ही नहीं चला।

'चित्रगुप्त, यह क्या हो रहा है?' महाराज की कठोर आवाज सुनकर उनकी तंद्रा भंग हुई और उनके मुंह से फुट पड़ा, 'क्या हुआ सर?' धर्मराज ने एक तीखी दृष्टि चित्रगुप्त पर डाली और बोले, 'लगता है रात के आठ पेग की खुमारी अभी तक गयी नही है।' चित्रगुप्तजी थोड़ा कसमसाय और सोचने लगे कि इस अमर बुड्ढे ने क्लब हाउस में भी मेरे पीछे जासूस छोड़ रखे है। फिर सम्हलकर बोले ,'सर डिटेल्स दे।' इधर यमराजजी ने भी सोचा कि इस धूर्त नोकरशाह को ज्यादा मुंह लगाना ठीक नही सो वह सीधे मुद्दे पर आए और धाराप्रवाह बोलने लगे। 'याद है आज से करीब सत्रह साल पहले एक अति तंदुरुस्त छद्म तपस्वनी ने अपने साथियों के साथ मिलकर करीब दर्जन भर लोगों की आत्माओ को हमारे रोस्टर के शेड्यूल के विपरीत निर्धारित समय से बहुत पहले यमलोक भेज दिया था। यह न केवल हमारे क्षेत्राधिकार में घोर दंडनीय मानवीय हस्तक्षेप था बल्कि हमारा घोर अपमान भी था।' अभी महाराज की बात पूरी भी नहीं हुई थी कि चित्रगुप्त जी बीच मे ही लपक लिए और चापलूसी भरी वाणी में बोले, ' सर, बिल्कुल याद है। इससे हमारे यमलोक में बेहद अफरा तफरी मच गई थी। उनमे से कुछ आत्मायें जिल्ले इलाही वाली खुदालोक की भी थी और हमारे यमदूतो की गलती से यहां आ गयी थी जिससे हमारी यमपुरी अपवित्र हो गयी थी। फिर मैंने तत्काल वार्निंग लेटर के साथ उनको शासकीय खर्चे पर खुदा लोक भेजा और गलती करने वाले यमदूतो को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके विरुद्ध एफ आई आर करने की फ़ाइल बढ़ाई थी' यह सुनकर यमराज ने चित्रगुप्त को घूरकर देखा पर उसमे प्रशंसा का भाव बिल्कुल नही था। फिर उन्होंने पूरी 'यमलोक बिसलेरी नीर' की बोतल कंठ में उतारी और गला साफकर आगे बोले, 'मैंने उसी समय उस मोटी और नकली सन्यासिन को उसके साथियों सहित पृथ्वीलोक की राजाज्ञा के माध्यम से मृत्यु दंड उनकी नियति में लिखे जाने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए थे। बल्कि उनके मुख्य षड्यंत्रकर्ता की आत्मा को तो भाड़े के जल्लाद के हाथों मरने की नियति का आदेश जारी कर दो वर्ष के अंदर उसका क्रियान्वन भी करवा दिया था।

शेष पापियो के मृत्युदंड हेतु पृथ्वीलोक की राजाज्ञा क्रियान्वन को इसलिए एक्सटेंशन दिया था कि त्रेतायुग के भगवान विष्णु के अवतार श्रीराम ने इस हेतु बड़ी स्ट्रांग तार्किक अनुशंसा की थी। उनका कहना था कि इस नकली साध्वी और उसके समर्थको ने प्राचीन आयोध्या नगरी में उनका राष्ट्रीय मुख्यालय बनवाने में बेहद संघर्ष किया था लिहाजा कम से कम मेरी प्राण प्रतिष्ठा होने तक मृत्य दंड की राजाज्ञा को जारी करने से रोक के रखा जावे। फिर पिछले वर्ष जून माह में उन्होंने स्वयं इसको यह कहकर वापस ले लिया था कि अब वह उन्हें छोड़कर उनके अन्य अवतार जग्गनाथ का जयकारा लगा रहे है,अतः अनुशंसा वापस ली जाती है। अतः मैंने तत्काल पृथ्वीलोक के न्यायाधीश द्वारा मृत्युदंड की राजाज्ञा जारी करने की फ़ाइल पर हस्ताक्षर कर दिए थे। फिर उसको रोकने का दुःसाहस किसने किया?÷

अब बारी चित्रगुप्त जी की थी।÷सर मेरा एक निवेदन सुन ले,÷ चित्रगुप्त ने बोलना प्रारम्भ किया, ÷ सर इसकी सूचना मैंने कल ही शाम को आपके पास भेज दी थी, रेड फ्लैग लगा के, और साथ मे हमारे ब्रह्मब्रह्ड (यमलोक रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) के पृथ्वी लोक स्थित फील्ड एजेंट्स की रिपोर्ट भी संलग्न थी। पर लगता है आपके ओएसडी ने उसे आपके समक्ष प्रस्तुत ही नही किया।÷ यह सुनकर महाराज थोड़े ÷अनकॉम्फर्टेबल÷ हुए फिर सतर्क होकर बोले, ÷सब कामचोर हो रहे है, अब तुम्ही बताओ क्या था उसमें!÷ चित्रगुप्तजी ने बड़ी सहजता से बोलना शुरू किया , ÷ महाराज, इसमे सारा किया धरा भगवान महाकाल का है। हमारे ब्रह्मब्रह्ड के पृथ्वीलोक के एजेंट्स का कहना हैं कि पृथ्वी लोक की सनातन भूमि का वर्तमान राजा सनातन प्रेम के नाम पर पूरा तानाशाह बन गया है और साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाकर सबकुछ अपने अधिकार में कर लिया है।वहां कुछ भी अब स्वतंत्र नही है। सबसे पहले उसने भगवान महाकाल के उज्जैनी स्थित कार्यालय को आईटी, ईडी और सीबीआई की रेड डलवाने की धमकी दी और फिर उनके कार्यालय में महाकाल लोक बनवाकर उत्तकोच भी दिया। इन सबके दवाब और प्रलोभन में आकर भगवान महाकाल ने राजदंड देने वाले अधिकृत मानव न्यायाधीश को स्वप्न में निर्देशित किया कि वह साध्वी और उसके साथियों को तत्काल बरी कर दे अन्यथा तेरा सर्वनाश कर दूंगा!÷ यमराज का इतना सुनना था कि वह धप्प से अपने मोड्यूलर सिंहासन पर बैठ गए और सामने रखी मॉड्यूलर टेबल पर कोहनियां टिकाकर हाथ के पंजों से अपना मुंह ढक लिया और बोले÷ है परमपिता, घोर कलयुग आ गया है, अब भगवान महाकाल भी भरोसे के नही रहे। अब मैं किस पर भरोसा करूं! इससे अच्छा तो रावनकाल ही था! है हरि, है हरि रक्षा करो मेरी!÷ अभी मैं आगे के घटनाक्रम को देखने की कोशिश में ही था कि एक ÷मधुरतम कठोर÷ ध्वनि मेरे कानों में पड़ी और मेरी नींद खुल गई। वह मेरी प्यारी पत्नी की आवाज थी और ÷हष्मामूल÷ मुझसे कहा रही थी, ÷ उठो, साढ़े सात बज गए,सो सो के मोटे हो रहे हो, अव्यान,आन्या को स्कूल छोड़ने नही जाना क्या!÷ अव्यान, आन्या बोले तो मेरे लाड़ले नाती, नातिन।

यह लेखक के विचार है।

खिमलासा रोड स्थित अंडरब्रिज में भरे पानी से तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप

बीना में आफत की बारिश से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त, तीन घंटे में गिरा छह इंच पानी

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में आफत की बारिश जारी है। बीना में 3 घंटे में करीब 6 इंच वर्षा होने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया नदी नाले उफान पर आ गए और जाम लग गया। खिमलासा रोड स्थित अंडरब्रिज में बारिश के बाद भरे पानी से तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। शहर से खिमलासा की ओर और खिमलासा रोड से शहर की ओर आने-जाने वाले सैकड़ों वाहन जाम में फंसे रहे। वैकल्पिक मार्गों पर भी कीचड़ और पानी होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। दोपहर में तीन घंटे हुई करीब छह इंच बारिश से अंडरब्रिज में करीब तीन फीट पानी बह रहा था। इसी बीच कुछ वाहन चालकों ने वाहन निकाल दिए, जिसमें पानी भरने से बंद हो गए। मोटर साइकिल, कार, ऑटो बंद होने से दोनों तरफ लंबा जाम लगा रहा है, जिससे तीन घंटे लोग परेशान हुए। इस दौरान जाम में एंबुलेंस सहित 100 डायल वाहन भी फंस गया था। पुलिस ने बड़ी मशक्कत कर करीब साढ़े तीन घंटे बाद वाहनों को निकलवाया। इस वर्षा सीजन में अभी तक जिले में 819.4 मि.मी. औसत बारिश दर्ज की गई है। जिले में स्थापित वर्षामापी केन्द्रों के रिकार्ड के अनुसार एक जून से अबतक राहतगढ़ केन्द्र पर सर्वाधिक 1069.1 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

सागर जिले में अब तक 819.4 मिमी वर्षा दर्ज

सागर जिले के तकरीबन सभी विकास खण्डों में बारिश का दौर जारी है। जिले में अब तक 819 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक 1069.1 मिली मीटर वर्षा राहतगढ़ ब्लाक में दर्ज की गई है।

जोखिम उठा रहे लोग : नदी नाले उफान पर हैं बावजूद इसके लोग उफनती नदी में नहाने का जोखिम उठाए जा रहे हैं और मौत के गाल में समा रहे हैं । बीते दो दिनों में बेबस नदी पांच लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। जिले के बीना में मोतीचूर, रहली में सुनार,सागर, बंडा में बेबस और राहतगढ़ में बीना नदी पूरे शबाब पर हैं।

मोतीचूर, सिलार नदी आई उफान पर

3 घंटे में छह इंच बारिश होने के कारण नगर से निकली मोतीचूर नदी उफान पर आने से कुछ देर के लिए देहरी रोड बंद रहा। वहीं, सिलार नदी उफान पर आने से गड़ा पड़रिया मार्ग बंद रहा । भारी बारिश के कारण मुख्य मार्गों सहित निचली जगहों पर पानी का भराव हो गया जिससे लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड़ा।

वृद्धाश्रम में राखी बांधकर मनाया त्यौहार

सिवनी/मालवा। जहां एक ओर पूरा देश रक्षाबंधन का पर्व पूरे धूमधाम से मना रहा था तो वहीं दूसरी ओर वृद्धा आश्रम में ऐसे कई लोग मौजूद हैं जो अपने के आने की प्रतीक्षा कर रहे थे। हम यहां पर यूं कहेंगे कि अगर अपने होते तो क्या इन बुजुर्गों को वृद्धाश्रम का रास्ता दिखाते। इन तस्वीर में उन वृद्ध आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की आंखों से निकल रहे आंसुओं ने कह डाली। रविवार के दिन वृद्धा आश्रम पहुंची दीदीओं ने राखी बांधकर अपना फर्ज निभाया। वरिष्ठ नागरिक गृह सिवनी मालवा में ब्रह्मकुमारी आश्रम से पहुंची दीदीओं ने आकर निवासरत सभी बुजुर्गों को भुजरिया के पावन पर्व पर राखी बांधी एवं सभी बुजुर्गों को मिठाई वितरित की। वृद्ध आश्रम में रहने इन बुजुर्गों के अपने जिनका खून का रिश्ता है वह अपने अपने घरों में त्यौहार की खुशियां मना रहे हैं, लेकिन जब इन बुजुर्गों को दूसरे लोगों ने इस पर्व पर याद किया तो उनकी खुशियों को ठिकाना नहीं रहा।

विप्र समाज ने मनाया श्रावणी पर्व देवपुर कुंड में किया दस विधि स्नान

सिरोंज। सावन पूर्णिमा के अवसर विप्र समाज और श्रद्धालुओं ने श्रावणी पर्व मनाया। ब्राम्हण समाज के सदस्य सुबह ही प्राचीन देवपुर धाम में पहुंच गए थे। सभी विप्रजनों ने यहां स्थित पवित्र जलकुंड के जल से दस विधि स्नान किया। इसके उपरांत धार्मिक अनुष्ठान और दोष प्रायश्चित के लिए शुद्धि उपाकर्म किया। विप्रजनों ने यज्ञोपवित भी परिवर्तित किया। इस अवसर पर सर्वब्राम्हण महापंचायत अध्यक्ष गोपाल प्रसाद शर्मा, शिवकुमार मिश्रा, गिरजाशंकर शर्मा, नारायणप्रसाद शर्मा, निरंजन रघुवंशी, कलेक्टर यादव और अशोक रावल के साथ ही अनेक लोग मौजूद थे।

नपाध्यक्ष के लिए ब्राह्मण समाज ने शिवराज से की मुलाकात

विदिशा। नगर पालिका में पिछले कुछ दिनों से जो माहौल चल रहा है उसी को देखते हुए ब्राह्मण समाज भोपाल में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास पर पहुंचकर भेंट कर उनको अवगत कराया और कहा कि जो नगर पालिका में जो हालात बने हुए हैं उनको शीघ्र खत्म किया जाए और नगर के विकास कार्यों को गति दी जाए । इस पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधि मंडल की बात सुनकर उन्होंने आश्वासन दिया है कि बहुत जल्द इस विवाद को खत्म कर दिया जाएगा। ऐसा केंदीय मंत्री ने आश्वासन ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल को दिया। ब्राह्मण समाज ने उनका धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने आश्वासन दिया है कि नगर पालिका में जो माहौल चल रहा है उसको जल्दी ठीक कर दिया जाएगा।

सहस्त्रधारा जलप्रपात में हुआ दर्दनाक हादसा, एक छात्र की मौत, दूसरा लापता

तैरना नहीं आने के बावजूद गहरे पानी में उतर गए दोनों दोस्त, लापता युवक की तलाश जारी

महेश्वर। ग्राम जलकोटी स्थित प्रसिद्ध सहस्त्रधारा जलप्रपात में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। पानी में डूबने से इंदौर निवासी कुणाल पिता विनोद कैथवास (19) की मौत हो गई, जबकि उसका साथी साहिल खान पिता हैदर खान निवासी हीरा नगर, इंदौर का अब तक पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार, इंदौर से 11 मित्रों का एक समूह, जो पहले साथ में पढ़ाई करता था, महेश्वर घूमने आया था। दोपहर में कुछ मित्र खाना बना रहे थे, जबकि कुणाल और साहिल नहाने के लिए जलप्रपात में उतर गए। दोनों को तैरना नहीं आता था और वे गहरे पानी में चले गए। साथी सत्यम ने डूबते हुए उन्हें देखा और मदद के लिए आवाज लगाई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी में उतरकर खोजबीन की और कुणाल को बाहर निकाल लिया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। साहिल का देर शाम तक कोई पता नहीं चल सका। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई, साथ ही रेस्क्यू अभियान जारी है।

प्रदेश में बहनों को आगे बढ़ाने के लिए चल रही हैं कई योजनाएं, मैं भी हर संभव मदद को तैयार-भूपेन्द्र सिंह

पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह ने मालथौन में बहनों से राखी बंधवाई

सागर। दोपहर मेट्रो

यह रक्षासूत्र धागा मात्र नहीं है , यह विश्वास और संकल्प का प्रतीक है कि जब तक उनका यह भाई जीवित है बहिनों पर कभी संकट नहीं आने देगा। यह नारी सशक्तिकरण का भी मजबूत आधार है। यह बात पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने मालथोन में रक्षाबंधन पर्व पर उन्हें राखी बाधने आईं बहिनों को संबोधित करते हुए कही।

भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि रक्षा बंधन हमारी प्राचीन संस्कृति से चला आ रहा पर्व है। भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि जब तक बहनें भी बराबरी से आगे नहीं बढ़ेंगी तब तक समाज आगे नहीं बढ़ सकता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने बहनों को हर प्रकार से सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई और सफलतापूर्वक लागू की हैं। इस बार रक्षाबंधन पर 1500 रु लाडली बहिनों को मिले हैं, दीपावली से

हर महीने 1500 रुपए हमारे मुख्यमंत्री भेजेंगे। भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि यहां बहुत सी गरीब बहनें बैठी हैं जिनके अधिकारों की मैं लड़ाई लड़ रहा हूं। मालथौन की आदिवासी समाज के अनेक परिवार ऐसे हैं जिनकी जमीनों पर कुछ लोगों द्वारा कब्जे किए गए हैं। दबाव और साजिशें करके गरीब आदिवासियों की जमीनों को लिखवा लिया गया है।

मारपीट से युवक की मौत, परिजनों का एनएच पर चक्काजाम

सागर। दोपहर मेट्रो

बांदरी थाना के ग्राम रजवांस में एक युवक की हत्या के बाद परिजनों के साथ ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। जाम लगने से हाईवे पर 5 घंटे तक करीब 4 किमी तक वाहनों की कतार लग गई। पुलिस और प्रशासन के आश्वासन के बाद परिजनों ने जाम खत्म किया। मिली जानकारी के अनुसार 5 अगस्त को गांव के श्याम घोसी ने अपनी दुकान पर काम करने वाले दामोदर सेन निवासी रजवांस से पैसों के लेन देन को लेकर मारपीट कर दी। घायल को अस्पताल लेजाया गया जहां रक्षाबंधन के दिन उसकी मौत हो गई। गुस्साए परिजनों ने रविवार को एनएच 44 पर शव रखकर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर खुरई एसडीएम मनोज चौरसिया, तहसीलदार, बांदरी मालथौन और खुरई का पुलिस बल तैनात हो गया। लेकिन समझाइश के बाद भी परिजन नहीं माने और अपनी मांगों पर अड़े रहे। मृतक की बहिन ने अधिकारियों से कहा कि मृतक के छोटी छोटी चार बेटियां हैं उनके पालन की जिम्मेदारी सरकार उठाए। साथ ही आरोपी को सख्त सजा दी जाए। एसडीएम मनोज चौरसिया एसडीओपी सचिन पर्ते, थाना प्रभारी बांदरी सुमेर सिंह जगेत, खुरई और मालथौन थाना प्रभारियों की मौजूदगी में आरोपी पर कार्रवाई करने और बच्चों के पालन के लिए सहायता राशि देने के आश्वासन पर परिजन और ग्रामीण जाम खोलने के लिए तैयार हुए।

शिक्षिका की हत्या के मामले में एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

सिरोंज। शासकीय शिक्षिका मिनशु राजपूत की हत्या के मामले की जांच को लेकर रविवार को एसपी रोहित काशवानी सिरोंज आए। दोपहर में सिरोंज आने के बाद वे सारथी सिटी 2 में घटनास्थल पर मौका मुआयना करने के लिए भी पहुंचे और अधिकारियों से चर्चा की। 4 दिन पहले 7 अगस्त को सारथी सिटी 2 में किराए के मकान में रहने वाली शिक्षिका मिनशु राजपूत की अज्ञात आरोपियों ने दिनदहाड़े घर में घुसकर ही हत्या कर दी थी। इसके बाद उसी दिन मौके पर एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची थी। दूसरे दिन एडिशनल एसपी प्रशांत चौबे भी घटनास्थल पर पहुंचे थे। एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि मामले की जांच के लिए गठित की गई टीमें लगातार काम कर रही है। घटना से जुड़े सभी संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है लेकिन अभी तक किसी तरह के पुख्ता सबूत हासिल नहीं हो सके हैं

बासौदा में भी हुई भुजरियों की राम-राम, गाए गए सावन गीत

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

रक्षाबंधन के दूसरे दिन भुजरिया पर्व बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। मोहल्लों के चौक चौराहों पर महिलाओं द्वारा अपने अपने घरों से भुजरियां निकालकर एक जगह रखकर पूजन किया गया। हाथ में गेहूं के दाने लेकर सावन के गीत गाकर परिक्रमा लगाई और अच्छी खुशहाली के लिए कामना की। इसके बाद सिर पर रखकर बेतवा और पाराशरी नदी में भुजरियां विसर्जन की गई। भुजरिया तोड़ने के बाद सबसे पहले भगवान को अर्पित की गई। भुजरियां विसर्जन के दौरान बेतवा नदी पर महिला पुरुषों की भारी भीड़ रही। शहर में कई जगह ढोल ढमाकों के साथ भुजरियां निकाली। ग्रामीण क्षेत्रों में रक्षाबंधन भुजरियां पर्व पर गांव में वर्षों से चली आ रही परम्परा को आगे बढ़ाते हुए लोगों ने खूब लहंगी गीत गाए और जमकर नृत्य किया। भगवान को भुजरियां अर्पित करने के बाद सभी ने एक दूसरे से भुजरियां ली और शुभकामनाएं देते हुए कहा मेहरबानी बनाए रखना। गले मिलकर गिले शिकवे दूर किए वहीं बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया।

मेट्रो एंकर कैथन नदी के घाटों के साथ ही प्राचीन तालाब में हुआ भुजरिया विसर्जन

सामूहिक भुजरिया देकर कहा... मेहबानी बनाए रखना

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

रविवार को शहर में भुजरिया पर्व का उत्साह और उल्लास दिखाई दिया। तीन साल बाद केथन नदी में अच्छा पानी भरा है। शाम होते ही बढ़ी संख्या में महिलाएं समूह के रूप में नदी के पंचकुईया घाट, कार्तिक घाट, काशी घाट और तालाब किनारे भुजरिया विसर्जन करने के लिए पहुंची। इसके बाद शुरू हुआ भुजरियों के आदान-प्रदान का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। रक्षाबंधन के बाद से ही उन घरों में भुजरिया पर्व की तैयारियां शुरू हो गई थी। जिन घरों में भुजरिया बोई गई थी। इन घरों में सुबह से ही भुजरियों का पूजन शुरू हो गया था। भुजरिया गीतों का गायन करते हुए उन्होंने नदी में इनका विसर्जन किया। विसर्जन के पहले महिलाओं ने सामूहिक रूप से भुजरियों की परिक्रमा भी की। इसी तरह कार्तिक घाट पर स्थित शिव मंदिर के समीप और काशी घाट पर भी महिलाओं ने भुजरिया विसर्जन किया। हाजीपुर में चक्की चौक पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से एकत्रित होकर भुजरिया का पूजन किया। यहां पर स्थित कुएं के समक्ष भुजरियां तोड़ी गई।

हैंडपंप और नल पर किया विसर्जन

शहर के कई इलाकों में महिलाएं प्राचीन बावड़ी और कुआँ पर भी भुजरिया विसर्जन करती थी लेकिन अब ये कुएं और बावड़ी खत्म हो गए हैं। रूसल्ला वाली माता मंदिर के समीप एकत्रित होने वाली भुजरिया पहले कस्टम पथ स्थित बावड़ी में विसर्जित की जाती थी लेकिन अब यह बावड़ी कचरा घर में तब्दील हो चुकी है। इस कारण महिलाएं समीप स्थित हैंडपंप पर भुजरिया विसर्जन करती हैं।

सामूहिक लहंगी नृत्य की दी प्रस्तुति

भुजरिया विसर्जन को लेकर पुरूष वर्ग भी उत्साहित था। वे लहंगी नृत्य करते दिखाई दिए। नगर के रानापुरा और हाजीपुर इलाकों में पुरूषों ने सामूहिक रूप से लहंगी नृत्य किया। कई लोग नृत्य को देखने के लिए भी पहुंचे। ऐसा ही ही उत्साह ग्रामीण इलाकों में रहा। गांवों में महिलाओं ने नदियों और झोरो के किनारे पहुंच कर भुजरिया विसर्जन किया। यहां पर पुरूषों के समूह ने बकायदा ढपलों और अन्य वाद्य यंत्रों की थाप पर लहंगी नृत्य किया।

पांच स्वरूपों में भक्तों को दर्शन देंगे बाबा महाकाल: नगर भ्रमण कर जानेंगे अपनी प्रजा का हाल

उज्जैन में आज पालकी में सवार होकर निकलेंगे महाकाल, श्रावण-भादो मास की पांचवीं सवारी

उज्जैन। एजेंसी

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की श्रावण/भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारी के क्रम में आज पांचवीं सवारी धूमधाम से निकाली जा रही है। इस दौरान अवंतिकानाथ नगर भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जानेंगे। सवारी के दौरान भगवान महाकाल पांच स्वरूपों में अपने भक्तों को दर्शन देंगे। पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, गजराज पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर श्री शिवतांडव, नन्दी रथ पर श्री उमा-महेश और श्री होल्कर स्टेट के मुखारविंद डोल रथ पर विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकल रहे हैं। सवारी में जनजातीय समूहों के कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष और उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि भगवान महाकाल की पांचवीं सवारी शाम 4 बजे मंदिर से निकलेगी। सवारी निकलने के पूर्व महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन होगा। उसके पश्चात भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में विराजित भगवान को सलामी दी जाएगी।

क्षिप्रा के जल से होगा अभिषेक और पूजन-अर्चन

सवारी परंपरागत मार्ग महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाडी से होती हुई रामघाट पहुंचेगी। जहाँ क्षिप्रा नदी के जल से भगवान का अभिषेक और पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ की धर्मशाला, कार्तिक चौक खाती का मंदिर, सत्यीनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार से होती हुई पुन: महाकालेश्वर मंदिर पहुंचेगी। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि भगवान महाकाल की पंचम सवारी में चार जनजातीय एवं लोक नृत्य कलाकारों के दल सहभागिता करेंगे। इनमें बैतूल से मिलाप इवने के नेतृत्व में गोण्ड जनजातीय ठाट्या नृत्य, खजुराहो से गणेश रजक के नेतृत्व कछियाई लोक नृत्य, दमोह से पंकज नामदेव नेतृत्व में बधाई लोक नृत्य एवं डिण्डोरी के सुखीराम मरावी के नेतृत्व गेडी जनजातीय नृत्य की प्रस्तुतियां शामिल है।

प्रदेश के धार्मिक पर्यटन की निकाली जाएगी झाकियां

पंचम सवारी में प्रसंग (थीम) अनुसार प्रदेश के धार्मिक पर्यटन की झाकियां निकाली जाएगी। धार्मिक पर्यटन के अंतर्गत मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा श्री राजाराम लोक ओरछा, सर्वसिद्धि श्री माँ बगलामुखी माता मंदिर, माँ शारदा शक्तिपीठ मैहर एवं देवीलोक माँ श्री बिजासन धाम सलकनपुर की प्रतिकृति को प्रदर्शित किया जाएगा। भगवान महाकाल की सवारी के सुगमतापूर्वक दर्शन के लिये श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा चलित रथ की व्यवस्था की गई है। जिसके दोनों ओर एलईडी के माध्यम से सवारी का लाइव प्रसारण किया जाएगा, जिससे श्रद्धालु भगवान के दर्शनो का लाभ सकेंगे। साथ ही उज्जैन के अन्य स्थानों जैसे फ्रीगंज, नानाखेड़ा, दत्तअखाड़ा आदि क्षेत्रों पर भी सवारी के लाइव प्रसारण को देख सकेंगे व भगवान के दर्शनों का लाभ ले सकेंगे।

देव सरोवर हनुमानताल बना साक्षी

संस्कारधानी समरसता कजलियां महोत्सव में दिखी सनातन की शक्ति

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन के आयोजनों में सनातन की जो शक्ति नजर आती है, वो अद्भुत है। संहिष्णुता, एकता और भारतीयता के लिहाज से ये बहुत बड़ी सेवा और सफलता है, तदाशय के भाव-उद्गार संस्कारधानी में सामाजिक समरसता संगठन की संयोजना में वृहद रूप से मनाए गए 'कजलियां महा मिलन महोत्सव' में आए संतों ने व्यक्त किए। संतों ने कहा कि समरसता भारतीय संस्कृति की आत्मा है। समरसता के बगैर भारतीय समाज निष्प्राण है। समरसता सेवा संगठन ने समाज में समरसता के प्राण फूंक रहा है। उल्लेखनीय है कि समरसता सेवा संगठन द्वारा सर्व समाज कि सहभागिता से समरसता कि भावना को जागृत करने वाले पर्व क़ज़ालिया को तीसरे वर्ष हनुमानताल में संस्कारधानी समरसता कजलिया महोत्सव के रूप में मनाया गया। संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन के आहवान पर जबलपुर के सभी समाजों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और सहभागिता दी। इस अवसर पर उपस्थित सर्व प्रथम एक दूसरे को कजलिया देकर संतो का मिलन हुआ उसके उपरांत मंच पर लगातार लाइन लगाकर उपस्थित जनसमुदाय ने संतो से कजलिया लेते हुए आशीर्वाद लिया। कजलियां महोत्सव मेला के पारंपरिक स्थल हनुमानताल में आयोजित समारोह को संतों-महंतों सहित प्रबुद्धजनों ने शुभकामनाएं दीं। सभी समाज के आगंतुक विद्वत जनों ने कहा कि हमारे त्यौहार समरसता और सद्भावना के प्रतीक हैं। इन पर्वो के आयोजन पर सभी जाति, वर्ग और समाज के लोग आपस में जुड़कर आपसी एकता का संचार करते हैं। कजलियां महापर्व भी इसी परंपरा से ओतप्रोत है।

भीषण हादसे में अधिकारी समेत परिवार के सात सदस्य हुए घायल

इंदौर के अपर कलेक्टर और उनका परिवार सड़क हादसे का शिकार

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले में इंदौर के अपर कलेक्टर और उनका परिवार दर्दनाक सड़क हादसे का शिकार हो गए हैं। हादसा उस समय हुआ, जब वो अपने गृह नगर से परिवार के साथ लौट रहे थे। इस भीषण सड़क हादसे में घायल हुए अधिकारी समेत परिवार के 7 सदस्य घायल हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। वहीं, जानकारी ये भी सामने आई है कि, अपर कलेक्टर के बेटे की हालत गंभीर है।

जानकारी के मुताबिक, इंदौर अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य रक्षाबंधन के त्यौहार मनाने सूबे के शिवपुरी जिले के बदरवास आए थे। आज रविवार को वो अपने परिवार के साथ कार में सवार होकर सभी लोग बदरवास से खोकर गांव में कलश यात्रा में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान शिवपुरी जिले के बदरवास थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर-46 पर खोकर गांव के पास अचानक उनकी गाड़ी के सामने एक गाय आ गई। जिसे बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर पलट गई।कार में कुल 7 लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। हादसे में सभी को चोटें आईं है। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल गुना जिला अस्पताल पहुंचाया गया। एक बच्चे की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर कर दिया गया। बाकी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

बहू ने भतीजे के साथ की थी सास की हत्या, गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। परासिया के वार्ड 16 में चीप हाउस क्षेत्र विभत्स हत्याकांड हुआ था। इलाके के वेकोली क्वाटर में रहने वाली विमला बाई की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हालांकि हत्यारे ज्यादा देर तक पुलिस को चकमा नहीं दे पाए। पुलिस ने 48 घंटे में हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए मुख्य आरोपी समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चंद घंटों की मेहनत, सीसीटीवी फुटेज और क्षेत्रवासियों के बयान से आरोपियों पर शिकंजा कसा।

दरअसल, हत्या कर लूट की ये साजिश तीन माह पहले ही रच ली गई थी। इसके बाद दो दिनों पूर्व भी आरोपी रैकी कर चुके थे। लेकिन उस दिन एक आरोपी ने अत्याधिक शराब का सेवन कर लिया तो वारदात नहीं हो पाई। इसके बाद दूसरे दिन फिर से रैकी हुई और फिर वारदात को रात को अंजाम दे दिया गया।

पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए मृतक बुजुर्ग महिला की बहू कल्पना सनोडिया और भतीजे अभिषेक श्रीवास्तव समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 16 लाख रुपए की लूट की योजना बनाई थी। इसके बाद अभिषेक ने अपने दोस्तों के साथ बुजुर्ग महिला की चाकू मारकर हत्या कर दी और 2 लाख रुपए के जेवर और कुछ नगदी लेकर सभी फरार हो गए।

जूनियर छात्रों से मारपीट कर काटे बाल

रतलाम मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का गंभीर मामला

रतलाम। दोपहर मेट्रो

रतलाम स्थित शासकीय डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय मेडिकल कॉलेज में सीनियर छात्रों ने शराब के नशे में जूनियर छात्रों से रैगिंग का गंभीर मामला सामने आया है। सीनियर ने उनके साथ मारपीट करते हुए सिर के बाल भी काट दिए। दूसरे छात्र से शराब भी मंगवाई। कॉलेज की एंटी रैगिंग कमेटी को जांच सौंप दी गई है।

कॉलेज सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार स्व. डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय शासकीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के दो छात्रों की सेकंड ईयर के सीनियर छात्रों द्वारा रैगिंग का मामला सामने आया है। बीती रात सीनियर छात्र बाइक से जूनियर हॉस्टल पहुंचे और यहां दो छात्रों की रैगिंग करने लगे। इस दौरान एक जूनियर से शराब भी बुलवाई। दूसरे छात्र ने विरोध किया तो अभद्रता करते हुए उसके सिर पर ट्रिमर चलाकर बाल काट दिए। हॉस्टल में रैगिंग के दौरान मारपीट और बाल काटने जैसी घटना को जब सीनियर ने अंजाम दिया तो बाकी छात्र विरोध में खड़े हो गए। विरोध देख दोनों रैगिंग करने वाले दोनों सीनियर छात्र अपनी बाइक छोड़ भाग खड़े हुए। रैगिंग करने वाले सीनियर छात्रों की पहचान एमबीबीएस सेकंड ईयर के छात्र अमोलिक और आयुष्मान के रूप में बताई गई है। जूनियर ने शिकायत में इनके नामों का उल्लेख किया है।

दमोह में चार इंच बरसा पानी, नाव चलाकर लोगों को निकाला

रेस्क्यू व प्रशासन की टीम के साथ कलेक्टर ने भी संभाला मोर्चा

दमोह। दोपहर मेट्रो

शहर में महज कुछ घंटों में पौने चार इंच बारिश हो गई। शहर के बाहरी सुभाष नगर इलाके में सैलाब की तरह पानी आया और सड़क से लेकर घरों तक में 4 फीट पानी भर गया। बाढ़ जैसे हालात की जानकारी लगते ही कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर बाढ़ राहत टीम और रेस्क्यू के लिए नाव लेकर कॉलोनी उतरे। कमर तक पानी में डूबकर उन्होंने घरों में फंसे लोगों को नाव से बाहर निकलवाया। सुभाष नगर कॉलोनी में चारों तरफ से नालों का उल्टा पानी आने से सैकड़ों लोग घरों में फंस गए। हालात इतने बेकाबू हो गए कि सड़कों पर 4 फीट पानी भर गया और रेस्क्यू व प्रशासन की टीम को सड़कों पर नाव लेकर उतरना पड़ा।

कलेक्टर हालातों का जायजा लेने के लिए टीम के साथ खुद 4 फीट पानी में उतरे और प्रभावितों के घरों में जाकर नाव से बाहर निकलवाया। उनके खाने–पीने और ठहरने की व्यवस्था प्रशासन को ही करना पड़ी।

दरअसल दमोह में चंद घंटों में 3.78 इंच बारिश हो गई। सुभाष कॉलोनी चूकी शहर का निचला और बाहरी इलाका है, यहां तेजी से पानी भर गया। प्रशासन ने कॉलोनी में 4 फीट तक पानी भर जाने से करीब 50 घरों को खाली कराया। बता दें कि सुभाष कॉलोनी में बीते साल भी ऐसे ही हालात बने थे। कॉलोनी के पास से निकले नाले में भारी बारिश के दौरान फ्लो उल्टा चलने लगता है। संकरे नाले पर अतिक्रमण भी हे, जिस कारण हर साल सुभाष कॉलोनी में बाढ़ जैसे हालात बनते हैं। खाली कराए गए घरों के लोगों को सामुदायिक भवन और आंगनवाड़ी में रूकवाया गया था।

पंडित मिश्रा पर संतों का वार, कुबेरेश्वर धाम में शिला पूजन पर उठाए गए सवाल

सीहोर। दोपहर मेट्रो

कुबेरेश्वर धाम में कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा की कांवड़ यात्रा में बदइंतजामी से मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत ही नहीं हुई, बल्कि धार्मिक नजरिए से यहां होने वाली पूजा ठीक से नहीं हो रही थी। कुबेरेश्वर धाम की विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित ने जो बयान दिया कि धाम में अभी मंदिर बन रहा है, बाबा भोले की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है। केदारनाथ की नदी से लाई गई शिला की पूजा होती है। इस बयान से मठ-मंदिरों के पुजारी, महामंडलेश्वर नाराज हैं। उन्होंने पं. मिश्रा पर श्रद्धालुओं की आस्था से खिलवाड़ करने के आरोप लगाए हैं। सनातन प्रेमियों का कहना है कि इसे रोका जाए। यशोधानवंन जगतगुरु अजय पुरोहित ने बताया, तुलसीदास ने रामचरित मानस में लिखा, लिंग थापि विधिवत कर पूजा, शिव समान पिय मोय ना दूजा। श्रीराम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापना कर पूजा की। सीहोर में बिना प्राण-प्रतिष्ठा शिला का अभिषेक करने से लोगों को पूजा का फल नहीं मिलने वाला।

सतना एयरपोर्ट को फिर मिलेगी फर्जी तरीके से वापस कर दी गई 529.36 एकड़ जमीन

सतना। दोपहर मेट्रो

बगैर वैधानिक प्रक्रिया और आदेश के सतना एयरपोर्ट की फर्जी तरीके से वापस की गई 529.36 एकड़ जमीन को वापस शासकीय करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरु हो सकती है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने इस संबंध में एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया को जमीन वापसी संबंधी अभिलेख तलाशने के निर्देश दिए हैं। यदि संबंधित अभिलेख नहीं मिलते हैं, तो इन जमीनों को सरकारी करने खसरा सुधार की धारा 115 की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। जानकारी के अनुसार कलेक्टर ने एसडीएम सिटी से एयरपोर्ट की कथित तौर पर वापस की गई जमीनों के अभिलेखों का परीक्षण करने कहा है। हालांकि प्राथमिक जांच में जमीन वापसी के न तो भारत सरकार के और न ही मध्यप्रदेश शासन के कोई आदेश सामने आए हैं। फिर भी मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर ने संबंधित अभिलेखों की बारीकी से तलाश करने कहा है।माना जा रहा कि दो सप्ताह में सभी संभावित स्थलों में अभिलेखों की तलाश की जाएगी। इसके बाद भी अगर जमीन वापसी के अभिलेख नहीं मिलते हैं तो इन जमीनों को सरकारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए एसडीएम सिटी धारा 115 की प्रक्रिया प्रारंभ करेंगे।

मेट्रो एंकर रूठे इंद्रदेव को मनाने आधी रात में ग्रामीणों ने किया टोटके का उपाय

बारिश के लिए युवक को गधे पर उलटा बैठाकर लगवाए चक्कर

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

कई जिलों में जहां झमाझम बारिश का दौर जारी है। वहीं कई इलाकों में हुई जोरदार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है,लेकिन, एमपी का एक जिला ऐसा भी है, जो अब भी अच्छी बारिश की आस में बैठा है। हम बात कर रहे हैं, उज्जैन जिले के नागदा की, यहां कई क्षेत्रों में स्थिति ये है कि, कई तालाब अब भी सूखे हुए हैं। ऐसे में अब यहां ग्रामीणों ने क्षेत्र से रूठे इंद्रदेव को मनाने का अजीबो गरीब टोटका आजमाया। दरअसल, इंद्रदेव को मनाने के लिए ग्रामीणों ने एक शख्स को गधे पर उल्टा बैठाकर आधी रात श्मशान घाट के चक्कर लगवाए हैं।

दरअसल, मालवा क्षेत्र के कुछ इलाकों में बारिश की कमी देखी जा रही है, जिससे किसानों की चिंता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अच्छी बारिश की कामना करते हुए क्षेत्र में पुराने दौर में आजमाया जाने वाला टोटका भी करना शुरु कर दिया। इस टोटके का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी खासा चर्चा का विषय बना हुआ है।उन्हेल नगर में धाकड़ समाज द्वारा गांव के ही एक व्यक्ति लखन पटेल को गधे पर उल्टा बैठा कर आधी रात मे श्मशान घाट के 7 चक्कर लगवाए गए। वहीं पुराने दौर से चली आ रही परंपरा को लखन पटेल ने भी खुशी से निभाया। जिसमें टोटके से पूर्व पटेल द्वारा पूजा पाठ की गई। फिलहाल, देखना दिलचस्प होगा कि, क्या इस टोटके के फल स्वरूप क्षेत्र में अच्छी बारिश होती भी है या नहीं।

बुमराह पर इतना बवाल क्यों....

टीम इंडिया का इंग्लैंड दौरा बेहद रोमांचक अंदाज में खत्म हो गया है। सही मायने में 5 मैचों की इस टेस्ट सीरीज के इतने रोमांचक समापन की उम्मीद किसी ने नहीं की थी।दरअसल जिस तरह सीरीज के लगभग सभी टेस्ट मैच में 4 दिनों के खेल के बाद पलड़ा दोनों टीमों का बराबरी पर नजर आया,ठीक उसी तरह से सीरीज का अंजाम भी रहा। मेरे नजरिये में सीरीज की सबसे बड़ी खूबी यह कही जा सकती है कि इसमें भले ही कितने भी रन,शतक और बल्लेबाजों का बोलबाला रहा हो लेकिन यहां की पिचों पर गेंदबाज कभी भी असहाय नजर नहीं आये।शायद यही इस टेस्ट सीरीज की सबसे बड़ी उपलब्धी कही जा सकती है।वैसे भी जब 5 मैचों की कोई टेस्ट सीरीज के सभी मुकाबलों का फैसला आखिरी दिन में निकल कर आता है तो फिर यह फटाफट क्रिकेट के युग मे किसी भी विशेष टीम की जीत-हार से अधिक क्रिकेट की जीत कही जा सकती है।भले ही इंग्लैंड में हुई इस सीरीज में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार क्रिकेट खेली हो,लेकिन सच तो यह है कि सीरीज को इस मुकाम तक पहुचाने में पिच क्यूरेटर का किरदार भी अहम रहा है।यह सब बातें तो सीरीज के रोमांच और खिलाड़ियों की दमदार बल्लेबाजी के इर्दगिर्द तक सिमट कर रह जाती हैं।टीम इंडिया ने आखिरी टेस्ट जीत कर सीरीज भी 2-2की बराबरी पर खत्म कर दी,लेकिन आखिरी मैच में जिस अंदाज में चैंपियन गेंदबाज बुमराह की गैरमौजूदगी में जीत हासिल की उसके बाद भारतीय क्रिकेट जगत में बुमराह को लेकर विचारों की एक नई जंग छिड़ गयी है।दरअसल दौरे के पहले ही इस चैंपियन गेंदबाज के वर्क लोड मैनेजमेंट की तमामं बातें हुईं थीं।सभी को मालूम भी था कि बुमराह दौरे पर मात्र 3 टेस्ट मैच खेलेंगे,लेकिन उस वक्त आखिर क्यों किसी दिग्गज जानकार ने इसकी आलोचना या समर्थन नहीं किया था।कहीं ऐसा तो नहीं यह मुद्दा उठाने की वजह बुमराह की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया की दोनों टेस्ट जीत रही है।खैर वजह जो भी हो लेकिन मेरा यह मानना है कि किसी भी खिलाड़ी खासतौर से बुमराह जैसे विलक्षण तेज गेंदबाज को यह अधिकार मिलना ही चाहिए कि वह अपनी फिटनेस को ध्यान में रखते हुए कितने मैचों में अपना योगदान शत प्रतिशत अंदाज में दे पायेगा।सच तो यह है कि क्रिकेट के व्यावसायिक और व्यस्त खेल कैलेंडर के समय मे बुमराह जैसे किसी भी प्रतिभाशाली गेंदबाज को मैच की उपलब्धता और फिटनेस में सामंजस्य तय करना बेहद पेचीदा काम है।वैसे तो विदेशी टीमों के तेज गेंदबाज भी वर्क लोड मैनेजमेंट ओर फिटनेस के मद्देनजर इस तरह के फार्मूले पर काम करते हैं,लेकिन उनकी जीत-हार के बाद कभी भी किसी खिलाड़ी विशेष को लेकर इस तरह की बयानबाजी देखने को कम ही मिलती है।मौजूदा दौरे के आखिरी टेस्ट मैच में वोक्स ,आर्चर का एकादश में न होना और टीम की हार के बावजूद इंग्लैंड में इस तरह की कोई बयानबाजी न होना वहां की खेल के प्रति स्वस्थ मानसिकता बयां करता है।मतलब साफ है कि किसी खास खिलाड़ी को लेकर हमारे देश मे ही टीका टिप्पणी ज्यादा की जाती है जिसमें तमाम खिलाड़ी भी शामिल हो जाते है।अब अगर हम मौजूदा हाल पर गौर करें तो फिर बुमराह को लेकर इस तरह की बातचीत तब हो रही है,जब टीम इंडिया ने सीरीज के दोनों ही मुकाबले इस चैंपियन खिलाड़ी के रेस्ट मोड मैच के दौरान जीते हैं।अब अगर कल्पना कीजिये कि सीरीज में ठीक इसके उलट अगर बुमराह की मौजूदगी में टीम इंडिया जीत हासिल करती व उसके बिना टीम को हार झेलना पड़ती तो फिर इस तरह की बयानबाजी का स्तर क्या होता।खैर अगर हम परिकल्पना से इतर सिर्फ वास्तविकता की बात करें तो फिर किसी भी नजरिये से इस तरह की बयानबाजी खिलाड़ी के लिए भविष्य की वर्कलोड मैनजेमेंट योजनाओं को प्रभावित कर सकती हैं।खासतौर से तब जब उसके द्वारा उपयोग किये गये मैनेजमेंट के बाद मिली हार का ठीकरा उसके सिर मढ़ दिया जाता है।बस यही एकमात्र वजह है जिस कारण मेरी निजी सोच मे बार बार यही सवाल उठता है कि आखिर बुमराह को लेकर इतना बवाल क्यों..?

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा

मुक्केबाजों ने की मेडल्स की बरसात इनमें तीन स्वर्ण व सात रजत पदक

बैंकॉक, एजेंसी

भारत के युवा मुक्केबाजों ने बैंकॉक में आयोजित एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। रविवार को निशा (54 किलोग्राम) और मुस्कान (57 किलोग्राम) ने स्वर्ण पदक जीते। इनके अलावा अन्य पांच खिलाड़ियों ने सिल्वर मेडल अपने नाम किए। वहीं, पुरुषों के फाइनल में, राहुल कुंडू (75 किलोग्राम) ने उज्बेकिस्तान के दिग्गज मुहम्मदजोन याकूपबोवेक पर जीत हासिल करके पदक अपने नाम किया, जिससे भारत के पदकों की संख्या 14 हो गई। इसमें तीन स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

इसके अलावा, अंडर-19 स्पर्धा में भाग ले रहीं 10 महिला मुक्केबाजों में से नौ पदक जीतकर लौट रही हैं। इनमें दो स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदक हैं। अंडर-19 और अंडर-22 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ किया जा रहा है। भारत के उभरते सितारों को एशिया के कुछ सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करने के लिए मंच मिला है। भारत ने 40 मुक्केबाजों का एक मजबूत दल उतारा है।

दिनेश ने स्वर्ण पदक से खोला खाता

निशा ने दिन के दूसरे मुकाबले में भारत के लिए स्वर्ण पदक का खाता खोला। उन्होंने चीन की सिरुई यांग के खिलाफ तीसरे और अंतिम दौर में दबदबा बनाते हुए 4-1 से जीत दर्ज की। मुस्कान ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कजाकिस्तान की अयाजान एर्मेक को 3-2 से हराकर स्प्लिट डिसीजन हासिल किया। पुरुषों की स्पर्धा में, राहुल ने 75 किलोग्राम वर्ग में उज्बेकिस्तान के मुहम्मदजोन के खिलाफ 4-1 से जीत हासिल करते हुए अपना आत्मविश्वास बरकरार रखा। भारत ने अंडर-22 वर्ग में भी 13 पदक पक्के कर लिए हैं, जिसमें सोमवार को पांच मुक्केबाज स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

इन्हें करना पड़ा हार का सामना

रविवार को स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली अन्य भारतीय महिलाओं में, विनी को 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में उज्बेकिस्तान की सेवारा मामातोवा से शिकस्त झेलनी पड़ी, जबकि जापान की अरिंदा अकिमोटो ने 65 किलोग्राम वर्ग के फाइनल मुकाबले में निशा को 4-1 से हराया। उच्च भार वर्ग में, आरती कुमारी (75 किलोग्राम) चीन की टोंगटोंग से हार गईं, जबकि कृतिका वासन (80 किलोग्राम) को कजाकिस्तान की कुराले येगिनबाइकजी के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। पार्ची टोकस (80+ किलोग्राम) को उज्बेकिस्तान के सोबिराखोन शाखोबिदिनोवा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। पुरुष वर्ग में, मौसम सुहाग 65 किलोग्राम के फाइनल में उज्बेकिस्तान के जाखोंगिर जैनिडिनोव से हार गए, जबकि हेमंत सांगवान को कजाकिस्तान के रसूल असांखानोव से हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया ने लगातार नौवां टी-20 जीता

साउथ अफ्रीका को 17 रन से हराया टिम डेविड ने खेली 83 रनों की पारी

डर्बिन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका पर 17 रन से हरा दिया। यह कंगारुओं की टी-20 में लगातार 9वीं जीत है। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। सीरीज का दूसरा मुकाबला 12 अगस्त को डार्विन ग्राउंड पर खेला जाएगा।

इस मैदान पर रविवार को पहली बार टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला गया। इतना ही नहीं, यहां 18 साल बाद इंटरनेशनल मुकाबले की वापसी भी हुई। टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 178 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने एक समय टीम ने 75 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में टिम डेविड ने स्कोर 150 पार पहुंचाया। उन्होंने 52 बॉल पर 83 रनों की आक्रामक पारी खेली। इस पारी में 4 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। साउथ अफ्रीका की ओर से क्वेना मफाका ने 4 विकेट झटके। कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले।

ऋषभ पंत निश्चित रूप से धोनी से आगे निकल जाएंगे : आकाश

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि ऋषभ पंत अगर टेस्ट मैच खेलना जारी रखते हैं, तो वह इस फॉर्मेट में एमएस धोनी के कुल रनों के आंकड़े को पीछे छोड़ देंगे। पंत इंग्लैंड के खिलाफ हाल में संपन्न टेस्ट सीरीज में इंजरी के बाद रिकवरी की राह पर हैं। आकाश चोपड़ा ने रविवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, टेस्ट मैचों और रनों की संख्या के मामले में एमएस धोनी शीर्ष पर हैं। उन्होंने 90 मैच में 144 पारियां खेली हैं, जिसमें 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए हैं। उनके नाम छह शतक हैं। पंत ने पिछले पांच सालों में छह शतक लगाए हैं और कुल 8 टेस्ट शतक लगाए हैं।

ऋषभ लगा चुके हैं 8 शतक

उन्होंने कहा, अगर हम कुल मिलाकर देखें, तो ऋषभ पंत आठ शतक लगा चुके हैं और एमएस धोनी छह शतक लगा चुके हैं। ऋषभ पंत पहले ही रनों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। वह एमएस धोनी से 1,400 रन पीछे हैं और लगभग आधे मैच खेल चुके हैं। अगर वह और खेलेंगे, तो जाहिर है कि वह एमएस धोनी से आगे निकल जाएंगे। चोपड़ा ने कहा, पंत ने अब तक 47 टेस्ट मैचों में 44.50 की औसत से 3,427 रन बनाए हैं। उनके शतकों की संख्या आठ है, जो धोनी के छह शतकों से दो ज्यादा है। क्या यह कहना सही होगा कि पंत भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले सबसे महान विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के अब तक के श्रेष्ठ विकेटकीपरों की सूची देखें तो एडम गिलक्रिस्ट ने 96 मैचों में 47.60 की औसत से 5,570 रन बनाए हैं।

मनोरंजन
बॉलीवुड का कोना

कैसी पहेली को समझने की नहीं, महसूस करने की जरूरत: रेखा

भारतीय सिनेमा की क्लासिक फिल्मों में शुमार परिणीता एक बार फिर दर्शकों के बीच होगी। फिल्म के गानों को लोगों ने काफी पसंद किया था। इन्हीं में से एक गाना है कैसी पहेली, जिसमें वेटरन एक्ट्रेस रेखा ने परफॉर्म किया था। एक्ट्रेस ने कहा कि यह गाना उनके लिए एक एहसास था। कैसी पहेली गाने को लेकर उन्होंने कहा, मेरे लिए कैसी पहेली सिर्फ एक गाना नहीं था, बल्कि एक एहसास, एक माहौल और जिंदगी का अहम पल था। इसमें एक ऐसी महिला की झलक है जो अपनी जिंदगी की कहानी खुद तय करती है, जो खुदमुख्तार है। गाने का माहौल और अंदाज काफी रहस्यमयी और दिलचस्प था। रेखा जी ने आगे कहा, 20 साल पहले भी ये गाना सबसे अलग था। इसकी धुन बहुत खास थी, और इसके बोल उस समय के दूसरे गानों से बिलकुल अलग थे। जब मैं उस सेट पर गई, तो मैं खुद को एक जैज सिंगर की तरह महसूस कर रही थी। आज भी जब मैं ये गाना सुनती हूं, तो मेरे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है।ये उन पहेलियों में से एक है, जिन्हें समझने की जरूरत नहीं, बल्कि महसूस करने की जरूरत है। सुनिधि चौहान की दिलकश आवाज ने कैसी पहेली गाने को और भी जादुई बना दिया था। गाने में रेखा रेट्रो आउटफिट में नजर आई हैं। यह गाना फिल्म के एक अहम मोड़ पर आता है और बिना कुछ बोले ही कहानी को आगे बढ़ा देता है।

फातिमा सना शेख ने प्रशंसकों को बताया कि वो किसे करती हैं प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने अपने पालतू डॉग बिजली के प्रति अपने प्यार का इजहार सोशल मीडिया पर किया। दंगल फेम अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बिजली को चूमते हुए एक प्यारी तस्वीर पोस्ट की।

फातिमा ने लिखा, अपने कुत्ते को चूमने, उसे गुदगुदाने या उसे प्यार से भींचने की जो इच्छा है, विज्ञान इसे क्यूट एग्रेशन कहता है और मैं इसे प्यार कहती हूं। उन्होंने आगे लिखा, स्लाइड 2 में उसकी झलक मिलेगी। इस पोस्ट में एक वीडियो भी शामिल था, जिसमें फातिमा बिजली को प्यार से गले लगाते और उसके माथे पर लगातार चूमते नजर आईं।

बता दें कि फातिमा की फिल्म सैम बहादुर को हाल ही में राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ मेकअप और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस खास उपलब्धि पर फातिमा ने सैम बहादुर की टीम को बधाई दी। उन्होंने लिखा, सैम बहादुर की टीम को तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने के लिए बहुत-बहुत बधाई! यह वाकई सम्मान की बात है। डायरेक्टर मेघना गुलजार को धन्यवाद देते हुए फातिमा ने कहा, मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर और इंदिरा गांधी की भूमिका निभाकर बहुत खुशी हो रही है। हमारी डायरेक्टर मेघना गुलजार के साथ काम करना एक सपना था और यह मेरे लिए वास्तव में एक अनोखा अनुभव था।

फातिमा ने निभाई इंदिरा की भूमिका

सैम बहादुर भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की कहानी है, जिसमें फातिमा ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है। रॉनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित और आरएसवीपी मूवीज के बैनर तले बनी इस फिल्म में विक्की कौशल ने मुख्य भूमिका निभाई है। हाल ही में, फातिमा रोमांटिक कॉमेडी आप जैसा कोई में आर. माधवन के साथ नजर आई थीं। फातिमा ने सोशल मीडिया पर अपने पसंदीदा सह-कलाकार की तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से माधवन के साथ बिताए कुछ पलों को पोस्ट किया था।

मेट्रो बाजार

देश की शीर्ष दस कंपनियों में से छह का बाजार पूंजीकरण 1.36 लाख करोड़ रुपए घटा

मुंबई। भारत की शीर्ष दस सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में इस हफ्ते 1.361 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई है, जिसमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की अनुचित घोषणा के बाद शेयर बाजार लगातार छठे हफ्ते गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी और सेंसेक्स लगभग एक प्रतिशत गिरकर क्रमशः 24,363 और 79,857 पर बंद हुए। निफ्टी पैक की शीर्ष दस कंपनियों में से, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 34,710 करोड़ रुपए घटकर 18,51,174 करोड़ रुपए रह गया है। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,722 करोड़ रुपए घटकर 15,14,303 करोड़ रुपए हो गया है। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 24,719 करोड़ रुपए घटकर 10,25,495 करोड़ रुपए और इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 19,504 करोड़ रुपए घटकर 5,91,423 करोड़ रुपए रह गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 15,053 करोड़ घटकर 10,59,850 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 12,441.09 करोड़ रुपए घटकर 5,87,021.88 करोड़ रुपए हो चुका है।

भारत, अमेरिका का सबसे बड़ा स्मार्टफोन सप्लायर बना

मुंबई। केंद्रीय रेल एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि भारत, अमेरिका का सबसे बड़ा स्मार्टफोन सप्लायर बन गया है। बेंगलुरु में मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसी अवधि के दौरान इलेक्ट्रॉनिक निर्यात आठ गुना बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। वैष्णव ने टेक सप्लाई चेन में देश की मजबूत होती स्थिति पर कहा, भारत दुनिया में मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता बन गया है। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में अमेरिका में आयात किए गए सभी स्मार्टफोन में भारत का हिस्सा 44 प्रतिशत था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के केवल 13 प्रतिशत से एक बड़ी छलांग है। चीन में असेंबल किए गए अमेरिकी स्मार्टफोन शिपमेंट में आई गिरावट का सबसे ज्यादा लाभ भारत ने उठाया है, जिसका मुख्य कारण एप्पल की चाइना प्लस वन रणनीति है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में अब 300 मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं, जो 2014 में केवल दो थीं। वित्त वर्ष 14 में भारत में बिकने वाले 26 प्रतिशत मोबाइल फोन की ही स्थानीय स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग की जाती थी, जो अब बढ़कर 99.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है। देश में मैन्युफैक्चर हुए मोबाइल फोन की वैल्यू वित्त वर्ष 14 के 18,900 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 4.22 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह वृद्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को एक ग्लोबल टेक्नोलॉजी केंद्र बनाने के दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय बाजार में देश की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता के अनुरूप है।

रोहित नगर मे हुई वारदात

चार्टेड अकाउंटेंट के सूने मकान से दिनदहाड़े नगदी सहित लाखों की चोरी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित रोहित नगर फेस वन में चार्टेड अकाउंटेंट के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाश पचास हजार रुपए की नगदी सहित पुराने जेवरात चुरा ले गए। चार्टेड अकाउंटेंट ने चोरी गए जेवरात की लिस्ट अभी पुलिस को सौंपी नहीं है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से आसपास के लोग भय का माहौल बना हुआ है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद रक्षा बंधन पर छुट्टी गए कुछ लोग अपने घर लौट आए। पुलिस ने चार्टेड अकाउंटेट की शिकायत पर नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 45 साल के आभाष तिवारी, रोहित नगर फेस वन में रहते हैं और चार्टेड अकाउंटेंट है। उनकी मां और पत्नी रक्षा बंधन में मायके गई हुई है। रविवार सुबह 11 बजे आभाष पिता को लेकर जवाहर चौक रिश्तेदारी में चले गए। वहां से शाम करीब पौने 7 बजे घर लौटे तो मुख्य गेट पर लगा ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि बदमाशों ने अलामारी का लॉकर तोड़ लिया है। बदमाश दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देने के बाद पचास रुपए की नगदी सहित लाखों रुपए के जेवरात लेकर गए हैं।

ऐशबाग पुलिस ने 5 लाख के 25 गुम हुए मोबाइल लौटाए

फाइल फोटो

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भोपाल। राजधानी की ऐशबाग पुलिस ने पांच लाख रुपए कीमत के 25 गुमे हुए मोबाइल तलाश कर उनके मालिकों को वापस लौटाए। अपने गुम हो चुके मोबाइल फोन मिलने के बाद लोगों के चेहरे पर रौनक लौट आई। जानकारी के अनुसार पिछले कुछ महीनों के दौरान ऐशबाग थाने में मोबाइल गुमने की अनेक शिकायतें मिली थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस साइबर पोर्टल सीईआईआर पर सर्चिंग हेतु लगाया गया था। सायबर टीम द्वारा मोबाइलों के अपडेट जानकारी प्राप्त कर विभिन्न नंबरों को ट्रैक कर कुल 25 मोबाइल फोन बरामद किए। मोबाइल बरामद होने के बाद पुलिस ने उनके मालिकों को थाने बुलाया और सभी को मोबाइल फोन वापस लौटाए। मोबाइल बरामद करने में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय बहादुर सिंह सेंगर, हेड कांस्टेबल अमित कुमार, हेमराज, महिला हेड कांस्टेबल मोनिका प्रजापति, आरक्षक शरद, पवन, नीलेश पटेल, दुर्गेश, रिंकेश और महिला आरक्षक रवीना की सराहनीय भूमिका रही।

पत्नी और बच्चों से विवाद के बाद अधेड़ ने लगाई फांसी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित रूप नगर में शनिवार देर रात एक अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। वह शराब के नशे में घर पहुंचा था। नशे में उसने पत्नी और बच्चे से विवाद किया और अपने कमरे में चला गया। वहां उसने फांसी लगा ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार लालाराम अहिरवार (55) मकान नंबर 101, रूप नगर अशोका गार्डन में रहता था और मजदूरी करता था। उसके छोटे भाई विनोद अहिरवार ने पुलिस को बताया कि भाई लालाराम शराब पीने का आदी था। शनिवार रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा था। पत्नी ने नशे में पहुंचने का कारण पूछा तो वह भड़क गया और पत्नी से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान बच्चा बचाने आया तो उसने बच्चे से भी मारपीट की थी। मारपीट करने के बाद वह कमरे में गया और फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया था। रविवार को शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया गया।

रक्षा बंधन पर पत्नी ने मायके जाने का कहा तो हुआ विवाद, पति पर दर्ज करा चुकी थी पूर्व में दो प्रकरण

कहा था रात में देख लूंगा, गहरी नींद में सोई पत्नी की कर दी कुल्हाड़ी से हत्या

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित करनपुरा गांव में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। घटना शनिवार-रविवार की रात करीब दो बजे के आसपास की है। दरअसल, पत्नी ने रक्षा बंधन में मायके जाने की जिद की थी। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने कहा था कि रात में देखता हूं। रात में वह शराब पीकर आया और गहरी नींद में सो रह पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। सिर और गाल पर कुल्हाड़ी से हमला होने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद हत्यारा अपने खेत वाले मकान में आराम फरमा रहा था, तभी पुलिस ने दबिश देकर उसे दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार सरिता मीणा पति बलराम मीणा (33) गांव करणपुरा, बैरसिया में रहती थी। उसका पति बलराम मीणा खेती किसानी करता है और साथ ही प्राइवेट गाड़ियां भी चलाता है। सरिता और बलराम के चार बच्चे हैं। दो बेटे और दो बेटियां। सरिता और बलराम का शादी के बाद से ही अक्सर विवाद होता रहता था। विवाद की प्रमुख वजह बलराम मीणा की नशे की आदत है।

मायके जाने का कहने पर हुआ विवाद

शनिवार को रक्षा बंधन होने के कारण सरिता मीणा ने पति बलराम से मायके जाने की जिद की थी। बलराम चाहता था कि वह मायके न जाए। इसी बात को लेकर शनिवार दोपहर दोनों में विवाद हो गया। शाम को विवाद खत्म हो गया था। इस दौरान बलराम ने कहा था कि आज तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा। शनिवार रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद सो गए थे। रात में बलराम मीणा शराब पीकर लौटा। रात करीब दो बजे सरिता गहरी नींद में थी, तभी आरोपी ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। सरिता को कुल्हाड़ी सिर और गाल के पास लगी थी। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से भाग निकला। बच्चों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंची तो सरिता की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी देर रात करणपुरा पहुंच गई।

खेत वाले मकान में छिपा था आरोपी

थाना प्रभारी वीरेंद्र सेन ने बताया कि आरोपी का झिरनिया सड़क पर खेत है। वहां से रविवार तड़के उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी का एक मकान चांदपुर ईंटखेड़ी में है। वहां पर सरिता और बलराम पूर्व में रहते थे। वहां भी अक्सर दोनों में विवाद होता था। विवाद के बाद सरिता ने ईंटखेड़ी थाने में आरोपी पति के खिलाफ दो बार शिकायत दर्ज करा चुकी है। एक शिकायत महिला उत्पीड़न की है, जबकि दूसरी शिकायत इसी साल फरवरी में मारपीट की धाराओं में दर्ज की गई थी।

कार की टक्कर से राहगीर घायल

बाइक सवार आरक्षक को लोडिंग वाहन ने मारी टक्कर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

जहांगीराबाद इलाके में बाइक सवार एक आरक्षक को लोडिंग वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में आरक्षक को ज्यादा चोट नहीं आई, लेकिन बाइक को भारी नुकसान पहुंचा। इधर मिसरोद इलाके में पैदल जा रहे एक व्यक्ति को कार चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार राहुल कुमार जाट (25) दुर्गेश विहार कालोनी अयोध्या नगर में रहते हैं और पुलिस विभाग में आरक्षक हैं। रविवार की रात करीब आठ बजे वह पुलिस मुख्यालय से लिली टाकीज के तरफ जा रहे थे। सातवीं वाहिनीं स्थित शराब दुकान के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक लोडिंग वाहन के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। राहुल को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन बाइक का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

इधर मिसरोद स्थित सलैया में रहने वाले मोजीलाल लोधी को पैदल जाते समय कार चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। मोजीलाल आनंद नगर इलाके में माली का काम करते हैं। शनिवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे वह मिसरोद थाने के सामने बस से उतरे और पैदल घर जाने लगे। मिसरोद गांव में पीपल के पेड़ के पास पहुंचे, तभी कार ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल मोजीलाल को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार को उनके बेटे ने थाने जाकर एक्सीडेंट करने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया। अचानक ब्रेक लगाने से टकराई कार एमपी नगर इलाके में एक कार चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे पीछे चल रही कार टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार लालघाटी में रहने वाले साहित्य बंसल ट्रैवल्स का काम करते हैं। शनिवार की रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपनी कार से एमपी नगर से घर लौट रहे थे। बोर्ड आफिस चौराहा पहुंचने पर उनके आगे चल रही कार के चालक ने अचानक तेजी से ब्रेक लगा दिए, जिससे उनकी कार जाकर टकरा गई। इससे कार अगला हिल्स बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

स्टोर कीपर ने टॉयलेट क्लीनर पीकर दी जान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अवधपुरी तिराहा पर वाइन शॉप से कुछ दूरी पर एम्स में स्टोर कीपर का काम करने वाले युवक ने टायलेट क्लीनर पी लिया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, वहां दो दिन चले इलाज के बाद उसकी रविवार दोपहर मौत हो गई। मरने से पूर्व उसने बयान में बताया था कि मैंने अपनी मर्जी से टायलेट क्लीनर पिया है। हालांकि क्यों पिया यह उसने नहीं बताया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार राजेश प्रसाद पिता महेश प्रसाद (39) जय हिंद नगर, बरखेड़ा पठानी में रहता था। वह एम्स में ठेके पर स्टोर कीपर (सफाईकर्मी) बतौर नौकरी कर रहा था। गत शुक्रवार रात वह शराब पीने अवधपुरी तिराहा पहुंचा था। वहां उसने शराब पी और नशे में अपने पास रखा टायलेट क्लीनर पी लिया। उल्टियां करने पर उसे एम्स में भर्ती कराया गया। एम्स में दो दिन चले इलाज के बाद रविवार दोपहर उसकी मौत हो गई।

एक कार के चालक को गंभीर आई चोट

कारों के बीच भिड़ंत में युवक घायल, कारें क्षतिग्रस्त

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

खजूरी सड़क इलाके में कारों के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में दोनों कारें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में एक कार के चालक को गंभीर चोट आई है, जबकि दूसरी कार में सवार लोगों को हल्की चोट लगी। पुलिस ने इस मामले में एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज किया है।

हादसे के दौरान एक बाइक भी चपेट में आ गई थी। जानकारी के अनुसार अयोध्या नगर निवासी दीपशंकर रायकवार (39) आईटी सेक्टर में नौकरी करते हैं। रविवार की सुबह वह अपनी सेल्टोस कार लेकर भोपाल से इंदौर जा रहे थे। सुबह करीब सवा सात बजे खजूरी मस्जिद के पास सामने से आ रही एक टाटा सफारी कार अचानक मुड़ गई, जिससे उनकी कार जाकर टकरा गई। इससे दीपशंकर की कार का अगला टायर फट गया और कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। दीपशंकर को भी गंभीर चोट आई थी। पुलिस ने टाटा सफारी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इसी प्रकार टाटा सफारी में सवार धर्मेंद्र (59) ने पुलिस को बताया कि वह इंदौर में रहते हैं और बैंक आफ बड़ौदा में नौकरी करते हैं। वह अपनी कार से इंदौर से भोपाल आ रहे थे। खजूरी सड़क पर नीलबड़ जाने वाले रास्ते पर मुड़ते समय भोपाल से इंदौर की तरफ जा रही कार ने उनकी कार में टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि कार में सवार सभी लोग बाल-बाल बच गए। पुलिस ने एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जहरीला पदार्थ पीने से युवक की मौत

भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में रहने वाले एक युवक की जहरीला पदार्थ पीने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक जोगीपुरा जहांगीराबाद निवासी अमित (22) सफाई कर्मचारी था। बीती आठ अगस्त को अचानक तबीयत बिगडऩे के कारण उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तबीयत में सुधार नहीं होने के कारण उसे चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां रविवार की रात उसने दम तोड़ दिया। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया था कि गलती से कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

मेट्रो एंकर | मारपीट व धमकी समेत भरण-पोषण अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज

पीएम आवास योजना की किश्त हड़पने का प्रयास

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

ईटखेड़ी के बरखेड़ी हज्जाम गांव में 90 साल के बुजुर्ग पिता की दो बेटों ने बेरहमी से पिटाई कर दी। पिता का आरोप है कि दोनों बेटे आए दिन उनके साथ मारपीट करते हैं और खाने-पीने के लिए भी कुछ नहीं देते। उन्हें मानसिक रूप से भी प्रताड़ित किया जाता है।

फाइल फोटो

आरोपी बेटे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली किश्त का पैसा हड़पना चाहते हैं। पुलिस ने मारपीट व जान से मारने की धमकी समेत वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम की धाराओं की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया ग्राम बरखेड़ी हज्जाम ईटखेड़ी निवासी मिश्रीलाल अहिरवार (90) के चार बेटे हैं। चार में से दो बेटों प्रेमनारायण और रमेश अहिरवार ने उन्हें अपने पास रखने से इनकार कर दिया है। बुजुर्ग गांव में ही अकेले रहते हैं जबकि उनके भोजन व अन्य जरूरतों का इंतजाम दो अन्य बेटे करते हैं। मिश्रीलाल अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सरकार की तरफ से मकान बनाने के लिए किश्त के रूप में पैसा दिया जा रहा है। शनिवार सुबह करीब दस बजे प्रेमनारायण और रमेश उन पर किश्त के 40 हजार रुपए देने का दबाव बना रहे थे, जबकि बुजुर्ग का कहना था कि किश्त का पैसा उन्होंने मकान बनाने के लिए ठेकेदार को दे दिया है। इसी बात को लेकर दोनों बेटों ने मिश्रीलाल के साथ मारपीट कर दी और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। आस-पड़ोस के लोगों ने बीच-बचाव किया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और बुजुर्ग की शिकायत पर प्रेमनारायण और रमेश के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022